

jftLV^h laö Mhö ,yö&33004@99
33004/99

REGD. NO. D. L.-

vlk/kj.k

HkxIII—[k.M 4

PART III—Section 4

izkf/dkj ls izdkf'kr

la- 164]

ubZ fnYyh] cq/okj] vizSy 26] 2017@oS'kk[k 6] 1939

No. 164]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 26, 2017/VAISAKHA 6, 1939

केरल के ३००० वीं विधिविभाग

अधिसूचना

कसारगोड, 21 अप्रैल, 2017

सं. सीयूके/आरईजी/डीओ/4/2017.— निम्नलिखित को सर्वसाधारण कऽ जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है

—

दिनांक 24.05.2016 को आयोजित दूसरी कार्यकारी पदरपद कऽ 16वें बैठक में अनुमोदित

अज्ञादेश 03

अज्ञायन ंकूल का अधिाता

[अधिनयम के संविध 5(3) के साथ पठित खण्ड 13 एवं 43(3)]

1. ंकूल का अधिाता ंकूल का अज्ञायी होगा तथा ंकूल में शिर्ण एवं शोध के मानक के संचालन एवं संर्रण के लिए उरदायी होगा।

2. अधिाता:

i. कूल बोड एवं विभागीय शोध समित का अज्ञायी होगा

ii. विभाग/ के ३००/ बोड आफ ंटडीज अथवा ंकूल कऽ समित, जो भी मामला हो, उनकऽ कसी भी बैठक पर उपिथत होने

एवं बोलने का अधिकारी होगा, लेकन उसे मत देने का अधिकार नहल होगा, जब तक क वह उसका एक सदंय न हो।

iii. विभाग/ के ३०० के अज्ञायी के मायम से ंकूल में शिर्ण एवं शोध काय का समवयन एवं सामाय पयवैण करना।

iv. जब कभी ज़रूरत होती है, अंतःविषय शिर्षण एवं शोध को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना एवं ंकूल मः

विभागाध्यक्ष के

माध्यम से अनुशासन बनाए रखना ।

v. स्त्रीय कायका के मूल्यांकन तथा ायान, ष्टोहरयल या संगोिथि या ेययोग पर, जब भी वे

निधाकाहरत ढकए जाते ह.,

उनमः विवाथकाय कऽ उपिथित का हरकाँडका रखना।

vi. कूल के विवाथकाय के संबंध मः ंकूल बोडका (बोडका ऑफ़ ंटडीज के) अथवा अकादिमक पहरषद

द्वारा ढदए गए निदश के

अनुसार एवं परीा निर्यंक के समवयन के साथ विविवालय कऽ परीा कऽ ्वंथा

करना।

2783 GI/2017 (1)

vii. कूल बोडका कऽ बैठकः आयोजित करना एवं उसकऽ अयता करना तथा बोडका कऽ बैठक के

कायकावृ रखना।

viii. कूल के निणकाय एवं िसफाहरश को लागू करने के लिए कदम उठाना तथा अकादिमक पहरषद,

कायकाकारी पहरषद अथवा

कुलपित द्वारा सपे गए अय कतका को निभाना।

ix. पूवाकाह एवं पौपात के िबना कायका करने के लिए अपेत होगा तथा ढकसी भी समूह अथवा संघ के

साथ वयं कऽ पहचान

नहल बनाएगा। एक अधता ढकसी कायकाकारी ंमता मः शिोक संघ मः कायका नहल कर सकता

है।

x. विविवालय कऽ सिमितय द्वारा अनुमोदत वाषका हरपोटका ंकःक करके संसद मः ेतुत

करने हेतु विविवालय द्वारा

अंतिम संकलन करने के लिए निधाकाहरत ेपू मः अपने ंकूल कऽ हरपोटका एक करने एवं

संकिलत करने का उरदायी

होगा।

xi. कूल या उसकऽ संवैधानिक शैणिक इकाई के शैणिक लंय को आगे बढ़ाने के लिए आवंयक

समझे जाने वाले कतका

निभाना।

xii. अधिनियम, संविधि, अज्ञातदेश एवं विनियम ~~का~~ द्वारा निधातृहरत अत्र कतृत्तृ निभाना।

xiii. विविधालय मथ पूणतृकालिक नियमित कायतृम मथ तृवेिशत विवांथतृय, जो संबंथित

अधृता को दंतावेजी सांय के

साथ आवेदन तृतृ करता है, उसे तृावसायिक/ कौशल विकास के लिए अतृपकालिक सांयकालीन

तृमाण पृ/ डिडलोमा

कायतृम करने कड अनुमित तृदान करने हेतु सॉम होगा।

3. सभी विभागायं विभाग एवं तृकूल के निवृत्त कायतृवयन के लिए अधृता के साथ पूणतृ समवयन के लिए अपेठित हंगे तथा

उतृह एक टीम के तृप मथ सहयोग करतृगे।

4. नैतिक पतन के साथ गैर-तृदशतृनकारी अधृता या तृि को अधृता के तृप मथ नियुतृ नहल ठकया जाना चाहिए तथा वह अपने

कायतृकाल के ठकसी भी समय अनुशासनात्मक कायतृवाही के अवलोकन पर बदलाया जा सकता है।

5. अधृता के कतृत्तृ एवं उतृरदायितृ पर विनियम को यह सूनि तृ करने के लिए रखा जाता है ठक तृकूल के बीच रचनात्मक

तृतिंतृधातृ द्वारा शिशृण एवं शोध कड संपूणतृ गुणवृता को बढ़ाया जाएगा।

6. इस अज्ञातदेश मथ निहत कुछ भी होने के बावजूद, कुलपित, इस अज्ञातदेश के तृावधान के कायतृवयन के समं आने वाली कोई भी

विसंगितय या कठठनाय को दूर करने के लिए विविधालय के उचित तृाधिकारय के अनुमोदन के साथ तृाधिकृत होगा।

7. अपवादी खण्ड एवं तृारंभ: यह अज्ञातदेश 15 जनवरी 2009 (केतृीय विविधालय अधिनियम, 2009 के तृारंभ से) लागू होना

माना जाएगा तथा इस अज्ञातदेश के विषय पर ठकए गए सभी कायतृ इस अज्ञातदेश के संदभतृ मथ होने माने जाएंगे।

अज्ञातदेश 05

तृातकोर अतृययन बोडतृ पर

[संविध 16 के साथ पठित खण्ड 23 एवं 43(3)]

गठन

1. विविध विभाग के अध्यक्षों के लिए एक आयोग बोर्ड होगा।

2. आयोग बोर्ड निम्नलिखित सदस्यों से मिलकर होगा:

i. विभागाध्यक्ष

ii. विभाग के सभी अध्यक्ष

iii. कुलपित द्वारा मनोनीत, संबंधित विभाग से दो एसोसिएट अध्यक्ष एवं एक एसिस्टेंट अध्यक्ष, वरिष्ठ के कम मध्य अवधि

द्वारा।

iv. कुलपित द्वारा मनोनीत, कुल के भीतर अन्य विभाग से संकाय का एक सदस्य

v. कुलपित द्वारा मनोनीत अधिकतम चार शिक्षक, विभाग के विषय मध्य विशेषज्ञ एवं विशेषज्ञ के साथ, विभागाध्यक्ष

द्वारा अध्यक्षित शिष्ट/ शोध अथवा उत्ति अनुसंधान एवं विकास के उत्ति के रूप मध्य

राज्य/केन्द्र के संस्थान के

वर्षाशिष्ट/ बा विशेषज्ञ के पैनल पर विचार करते हुए।

3. विभागाध्यक्ष बोर्ड का अध्यक्ष होगा।

4. अध्यक्ष को कुलपित कक्ष पूर्व अनुमित के साथ यह शिष्ट होगी कि वह, जब भी आवश्यक हो, बोर्ड कक्ष विशिष्ट बैठक मध्य विषय

विशेषज्ञ के रूप मध्य भाग लेने के लिए सह-वैकिक विशेषज्ञ को सहयोजित कर सकता है।

1Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

3

5. आयोग बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष कक्ष एक अविध के लिए होगा तथा वे पुनः नामांकन के योग्य होगा।

शिष्टां और कार्य

6. बोर्ड को निम्न शिष्टां होगी:

i. नये अथवा वतझमान मः संचालित कायझम के पाझम/कायझम के विषय मः संबंधित संकाय समित से ँां ँंताव पर

विचार करना एवं निणझय लेना।

ii. वंरणा से या संबंधित संकाय समित से ँां ँंताव के आधार पर नये या वतझमान मः संचालित अणयन के पाझम

के लिए पाझम, कायझम, परींा योजना आठद निथाझरत करना।

iii. विभाग कः शैिणिक गितिविधय पर संबंधित संकाय समित से ँां ँंताव पर विचार करना एवं निणझय लेना।

iv. बोडझ कः पहरिध के तहत ँपु सेटर, विषय मः परींा के ढप मः विशेषी का पैनल बनाना।

v. संबंधित विभाग के कायझम कः समींा करना एवं सलाह, यठद कोई हो, ँंतावित करना।

vi. संबंधित विभाग के शैिणिक लंय को आगे बढ़ाने के लिए आवंयक समझे जाने वाले अउय कतझ् निभाना।

vii. अकादिमक पहरषद, कुलपित ँःारा उसे भेजे गए ठकसी मामले पर विचार करना एवं कायझ करना।

viii. कूल बोडझ को, विभाग मः ँातकोर िशैण एवं शोध मः सुधार के लिए उपाय कः िसफाहरश करना। एवं

ix. अउय ऐसे कायझ करना, जो उसे ँकूल बोडझ, अकादिमक पहरषद, कायझकारी पहरषद अथवा कुलपित ँःारा सपे गए हो।

बैठकः

7. अणयन बोडझ कः बैठक ँंयेक शैिणिक वषझ मः एक बार अथवा बोडझ के समीं ठकसी कायझ के संचालन हेतु आवंयक होने पर

आयोजित होगी। बशतः ठक कुलपित जब कभी आवंयक समझे, अितहर बैठक के लिए निदःश दे सकता है।

8. अणयं बोडझ कः बैठक के एजेझा/ आयोजन ँथल/ठदन को निथाझरत करेगा तथा तनुसार कम से कम सात कायझठदवस पूवझ सदंय

को सूचित करेगा।

9. अणयं बोडझ कः बैठक कः अणयंता करेगा। उसकः अनुपिंथित मः वःस्तम सदंय बैठक कः अणयंता करेगा।

10. िभू अंक को अनदेखा कर, एक ितहाई सदंय बोडका कऽ बैठक के िलए गणपूतका िनमाकाण करशे।
11. ढकसी मामले मऽ ढकसी बैठक के िलए गणपूतका नहल होने पर, उपिंथत सदंय के िलए एजेण्डे पर चचाका कऽ जा सकती है तथा उनके अनुमोदनाथका, उ चचाका के कायकावृद सदंय के बीच पहरचालित ढकए जांएगे।
12. सभी बैठक के अंतिम कायकावृद अण्यं के िलए तैयार ढकए जांएगे तथा उसकऽ एक ितिलिप सदंय तथा कुलपित को भेजी जाएगी।
13. अण्यं, िवभागाण्यं/संबंिधत िवभाग के संकाय के सदंय को कायकावृद कऽ सामऴी उपलुध कराएगा जब ँसे मामल पर संकाय सिमित/संकाय िलए कारकावाई आवंयक है ।
14. यह अण्यं को, ढकसी अंयावंयक मामले मऽ, बोडका ऑफ िंटडीज के मत को पहरसंचरण िलए िका करना तथा बोडका कऽ अगली बैठक मऽ ँसे मत पर हुरपोटका िकृत करना खुला होगा। ँसा मत उस पर ली गयी कारकावाई सिहत बोडका के सभी सदंय को सूचित ढकया जाएगा।
- संयु बैठकऽ
15. दो या दो से अधिक बोडका कऽ संयु बैठक आयोजित कऽ जा सकती है, जब कुलपित या अकादिमक पहरषद उन बोडका को िभाविता करने वाले ढकसी भी मामले का िनपटारा करने के िलए को िनदऱश देता है। कुलपित ँसी संयु बैठक के अण्यं को मनोनीत कर सकता है तथा वह कायकावृद दजका करेगा तथा अनुवतऴ का पालन करेगा।
16. दो या दो से अधिक बोडका कऽ संयु बैठक के िलए गणपूतका, अंश को अनदेखा कर, उन बोडका के कुल सदंय कऽ एक-ितहाई होगी, तथा कोई भी सदंय एक से अधिक बार नहल िगना जाएगा।
17. इस अण्यदेश मऽ िनिहत कुछ भी होने के बावजूद, कुलपित, इस अण्यदेश के िकावधान के कायाकावयन के समं आने वाली कोई भी िवसंगितय या कऱठनाईय को दूर करने के िलए िविविंालय के िचित िकाहरय के अनुमोदन के साथ िकाकृत होगा।

18. अपवादी खण्ड एवं ँरंभ: यह अण्देश 15 जनवरी 2009 (केड्रीय विविंालय अधिनयम, 2009 के ँरंभ से)

लागू होना

माना जाएगा तथा इस अण्देश के विषय पर ढकए गए सभी कायड्ण इस अण्देश के संदभड्ण मः होने माने जाएंगे।

अण्देश 07

विविंालय मः विवांथड्ण के ँवेश पर

[अधिनयम के 43(3) के साथ पढठत खण्ड 6(1) (xviii), 28(1) (a)]

पाता

1. अधिनयम, संविध, अण्देश, विनयम एवं विविंालय के िनयम के ँवाधान के पूवाड्णह के, कोई भी विवांथट विविंालय

मः अण्णयन के णातक एवं णातकोर कायड्णम मः ँवेश के िलए णोय नहः हो सकता जब तक ढक वह संबंधित शैणिक कायड्णम मः

ँवेश के िलए विविंालय ँनः िनधाड्णरत परींा या परींा को उड्णीण नहः कर लेता।

2. विभू अकादिमक कायड्णम मः ँवेश के िलए डूनतम अहड्णता समय-समय पर विनयम के माण्णम से िनधाड्णरत होगी।

3. विविंालय ँनः िनधाड्णरत विविभू अकादिमक कायड्णम मः ँवेश के िलए आवेदन का ँकार समय पर विविंालय ँनः

िन्धाड्णरत होगा।

4. कुलपित ँनः िनधाड्णरत गढठत ँवेश सिमित विविंालय के शैणिक कायड्णम मः विवांथड्ण के ँवेश के संबंध मः सभी मामल कः

िन्गरानी एवं विनयमन करेगी, पीएच.डी. कायड्णम को छोड्कर, िजसमः उस मामले मः विविश-विनयम के अनुसार ँवेश होगा।

5. विविंालय मः ँवेश के िलए आवेदन िनधाड्णरत तरीके एवं ँाड्ण मः तथा ँवेश सिमित ँनः ँनः शैणिक कायड्णम के संबंध मः

िन्धाड्णरत अंतिम ितिथ के भीतर ढकया जाएगा।

6. कुलपित, ॐवेश सिमित से परामशङ्क कर, ॐवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार कऽ तिथयऽ सहित ॐवेश कायङ्काम तय करेगा।
7. शैक्षणिक कायङ्कामऽ के संबंध मऽ ॐवेश ॐङ्कया, ॐवेश सिमित ऽऽऽऽऽऽऽऽ िनधाङ्कहरत ॐङ्कया के अनुसार पूणङ्क कऽ जा सकती है तथा ॐवेश के

िलिए अनुशंसित अऽ यङ्कयऽ कऽ सूची कुलपित को अनुमोदन के िलिए अङ्कित कऽ जा सकती है।

8. सभी ॐवेश ॐथम द्या अनंतिम हऽगे तथा कुलित ऽऽऽऽऽऽऽऽ िनधाङ्कहरत समय सीमा के भीतर िन्ति त ङकए जाएंगे।
- कोई भी अऽ यथऽ

अधिकार के मामले के ऽप मऽ ॐवेश के िलिए दावा नहऽ करेगा।

9. िवदेशी नागरकऽ का ॐवेश िव्युत्तऽलय मऽ अंतराङ्कऽय समऽय केऽ ऽऽऽऽऽऽ भारत सरकार ऽऽऽऽऽऽ उपयुऽ ङदशा-ऽनदऽशऽ के अनुसार िविनयिमत होगी।

10. िव्युत्तऽलय के शैक्षणिक कायङ्कामऽ मऽ ॐवेश के िलिए अनंतिम िडऽऽी ॐमाण प्ऽ पयाङ्क माना जाएगा।

11. अहङ्ककारी परीक्षा कऽ मूल अंक तालिकाएं, हालांङक, ॐवेश कऽ मंजूरी के िलिए आवंयक अनवायङ्कता होगी।

12. िव्वाङ्कयऽ के ॐवेश मऽ आरंऽण, भारत सरकार तथा यूजीसी ऽऽऽऽऽऽ समय-समय पर सूचित कऽ गई आरंऽण नीति के अनुसार होगा।

13. कोई भी िव्वाथऽ एक समय मऽ एक िनयिमत, पूणङ्कालिक कायङ्काम मऽ ॐवेश नहऽ लेगा।

14. हालांङक, िव्युत्तऽलय मऽ पूणङ्कालिक िनयिमत कायङ्कामऽ मऽ ॐवेशित िव्वाथऽ संबंधित अधिऽता को,

ावसायिक/

कौशल िवकास

के िलिए अऽपकालिक सांयकालीन ॐमाण प्ऽ िडऽलोमा कायङ्काम करने कऽ अनुमित ॐदान करने हेतु दंतावेजी

सांय के साथ आवेदन

ॐंतुत कर सकता है। अधिऽता को मामले के सभी पंऽऽ पर िवचार करते ऽए िनणङ्कय लेने कऽ शिऽ होगी।

15. यऽद ङकसी कायङ्काम मऽ ॐवेशित एक िव्वाथऽ कायङ्काम को करने मऽ ंवाऽय कऽ द्ऽिसे अयोऽय पाया जाता

है तो उसका ॐवेश िनरंत

हो जाएगा। यह साधारणतया िनऽशऽजनऽ मऽ लागू नहऽ होगा।

16. इस अऽयादेश मऽ िनिहत कुछ भी होने के बावजूद, कुलपित, इस अऽयादेश के ॐावधानऽ के कायाङ्कऽयन के समंऽ

आने वाली कोई भी

विसंगितय या कठनाईय को दूर करने के लिए विविधालय के उचित अधिकारियों के अनुमोदन के साथ अधिकृत होगा।

17. अपवादी खण्ड एवं आरंभ: यह अध्यादेश 15 जनवरी 2009 (केन्द्रीय विविधालय अधिनियम, 2009 के आरंभ से)

लागू होना

माना जाएगा तथा इस अध्यादेश के विषय पर एक गए सभी कार्य इस अध्यादेश के संदर्भ में होने माने जाएंगे।

Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

5

अध्यादेश 08

वजन एवं ढेडिट के स्थानांतरण पर

[खण्ड 6(1)(x), (xxvi) एवं 28(1)(ए)]

अध्य विविधालय के विधायक

1. इस विविधालय में वेश चाहने वाले अध्य विविधालय के विधायक इस विविधालय के संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम में,

विविधालय के विवेक पर तथा इस संबंध में विनियम के संतोषजनक अनुपालन के अधीन, वेश ले सकता है, बशतः

i. वे, संस्थान के अधीन से जारी, उनके संस्थान छोड़ने के तथित तक के अंतिम उपस्थित, इस आशय का आमाण पृष्ठ के वे

संबंधित विविधालय के द्वारा निम्नलिखित आवश्यक उपस्थित एवं वृत्ति कर चुके ह., एक स्थानांतरण आमाण पृष्ठ तथा आचरण का आमाण पृष्ठ तैत करत।

ii. वे, पहले से रखे गए अध्ययन के पाठ्यक्रम के अधि के लिए मूल विविधालय द्वारा निम्नलिखित सभी उद्योग परीक्षा के दतावेजी सांय अपने आवेदन के साथ तैत करत।

iii. वे, अपने आवेदन के साथ, उनके द्वारा मूल विविधालय में संचालित मूल/वैकि, पक पाठ्यक्रम के लिए अजगत ढेडिट दतावेजी सांय तथा इस विविधालय में ऐसे ढेडिट के स्थानांतरण के

लिए अधिकृत मूल विविधालय के सौम अधिकारी से तैत एक आमाण पृष्ठ तैत करत।

iv. इस विविधालय के संबंधित ढकूल का अधिाता आत हो के ऐसे अजगत एवं इस विविधालय को

ठानांतरण के लिए अधकृत ढेडिट, इस मामले मः विनयम के अनुसार इस विविवालय मः कायःम के समापन के लिए ढेडिट कः आवःयकता को पूरा करे।

v. वे विविवालय मः ऐसे ःवासन के लिए निधाःरत शुःक अदा करः।

vi.

उःहः अययन के शेष पाःम को करना होगा तथा इस विविवालय के शैःणिक कायःम के लिए

निधाःरत परीःा को उःीणः करना होगा ःजसमः वे ःवेश चाहते ह. तथा इस

विविवालय के ःःारा निधाःरत अःय आवःयकता को संतोषपूवःक पूरा करना होगा।

इस विविवालय के विवाथः

2. इस विविवालय के एक ःकूल/विभाग मः एक शैःणिक कायःम मः ःवेशित विवाथः को संबंिधित विभागायः एवं ःकूल के अधःता के अनुमोदन के साथ अःय विविवालय मः संबिधत पाःम करने के लिए अनुमित ःदान कः जा सकती है तथा अःजःत ढेडिट इस विविवालय मः उनकः ढेडिट कः आवःयकता को पूरा करने के लिए ःिना जा सकता है, बशतः कुल अःजःत ढेडिट, इस विविवालय मः कायःम के समापन के लिए निधाःरत 20 ःतिशत (निकटतम पूणाःक करके) ढेडिट से ःयादा नहः हःगे।

ःड का सामाःकरण

3. अंतिम ःड ःदान करने के लिए ःड के सामाःकरण, यःद आवःयक हो, के लिए पृथक विनयम/नियम निधाःरत हःगे।
4. इस अयदेश मः निहत कुछ भी होने के बावजूद, कुलपित, इस अयदेश के ःवधान के कायःवयन के समः आने वाली कोई भी विसंगितय या कःठनाईय को दूर करने के लिए विविवालय के उचित ःाधिकाःरय के अनुमोदन के साथ ःाधिकृत होगा।
5. अपवादी खःड एवं ःारंभ: यह अयदेश 15 जनवरी 2009 (केः्रीय विविवालय अधिनयम, 2009 के ःारंभ से) लागू होना माना जाएगा तथा इस अयदेश के विषय पर ःकए गए सभी कायः इस अयदेश के संदभः मः होने माने जाएंगे।

अयदेश-10

परीःा/डिःी के माःयता के लिए समतुःय सिमित

[अधिनियम, 2009 के खण्ड 28(1) (ओ) व 43(3) के तहत]

1.0 सभी ंकूल के अधिाता एवं परीा िनयंुक से िमलकर एक समतुय सिमित बनेगी। कुलपित ंदारा मनोनीत एक अधिाता सिमित का अय्यो होगा। इस सिमित के कतर्ण िन के तहत हगे:

2.0

i. अय विविांलय ंदारा आयोजित परीा एवं उनके ंदारा केरल केाीय विविांलय मः
ेवश/रोजगार देने के

उेय से िडली ेदड िडली को मायता देना।

ii. परीा/िडली के समतुयता के सभी मामल सहित विदेशी विविांलय के मामल पर िनणय लेना जो ढक समय-

समय पर उसे संदभगत ढकये गए है।

iii. ढकसी कारणवश एवं ढकसी समय के िलए, जैसा भी उचित हो, ढकसी परीा/िडली क मायता को रोकना, ंथिगत या

िनरंत करना।

iv. समतुयता तथा/या मायता के मामल पर विचार करते ए उ सिमित पा विवरण, पाचया आढद क जाँच कर

सकती है एवं या तो संबिधत अय्यो/अधिाता के दिकोण/मत रख सकती है या ंपीकरण मांग सकती है,

जिसके उेय

के िलए उ समतुयता सिमित संबिधत विभाग/केा के अय्यो को एक विश्तिथ के ढप मः

उसक बैठक मः भाग

लेने के िलए अनुरोध कर सकती है।

3.0 उ सिमित कायण के िनयम को बनाएगी तथा अकादिमक पहरषद के विचाराथ एवं अनुमोदनाथ ढदशा-

िनदश िनधाहरत करेगी।

अकादिमक पहरषद इस संबंध मः समतुय सिमित को अपनी कोई शि सप सकती है।

4.0 उपरो अनुछेद मः कुछ भी िनिहत होने के बावजूद, कुलपित ढकसी परीा िडली क मायता/समतुयता

ंवीकार कर सकता है

तथा कुलपित द्वारा क\$ गयी कार्रवाई को समतुल्यता सिमित क\$ अगली बैठक म\$ हरपोट\$न ठकया जाएगा तथा अनुसमथ\$न के िलए अकादमिक पहरषद को ुतुत ठकया जाएगा।

5.0 अपवादी खण्ड एवं ुारंभ: यह अणयादेश 15 जनवरी 2009 (केउीय िविविंालय अधिनयम, 2009 के ुारंभ से)

लागू होना

माना जाएगा तथा इस अणयादेश के िवषय पर ठकए गए सभी काय\$न इस अणयादेश के संदभ\$न म\$ होने माने जाएंगे।

अणयादेश-14

िविंथ\$नय का अनुशासन

[अधिनयम क\$ संविध 28 व 31 के साथ पठत 43(3)]

िविविंालय 1. िविविंालय के िविंथ\$नय के संबंध म\$ अनुशासन तथा अनुशासनामक कार्रवाई से संबंधित सभी शिंयाँ के िविंथ\$नय कुलपित म\$ िनिहत हगी तथा कुलपित ये शिंयाँ कुलसिचव, ुओटर, जो भी मामला हो, को सप सकता है। के

2. िविविंालय के िविंथ\$नय के संबंध म\$ सभी अनुशासनामक कार्रवाई अधिनयम म\$ उलेखित ुडया एवं समय-समय पर बने िविनयम के अनुसार क\$ जाएगी।

3. िविविंालय के िविंथ\$नय के सभी अनुचित कृय उस िविंथ(यो) को अनुशासनामक कार्रवाई के िलए उरदायी बनाएंगे।

4. कुलपित के द्वारा गठत क\$ जाने वाली एक अनुशासन सिमित होगी जो ऐसे कत\$न एवं शिंय का ुयोग

करेगी जो उसे कुलपित द्वारा सपे गए ह. तथा ऐसी अनुशासन सिमित ुयेक मामले पर अपनी हरपोट\$न उपयु कार्रवाई के िलए कुलपित को सपेगी।

5. यूजीसी के ढदशा-िनदश एवं उयायिक िनण\$नय के अनुपालन म\$ पहरसर िनयम एवं छाावास िनयम

विधि विधालय द्वारा बनाए एवं लागू ठकए जाएंगे।

6. र.रंग के िलए िनषेध एवं दण्ड

i. इस अणयादेश के ँयोजन के िलए रैरंग का अथरुण, साधारणतया कोई कृंय, आचरण या अणयास है,

जिसके द्वारा वरुण विंथरुण कऽ ँभावी शि या अवंथा को हाल ही मथ पंजीकृत या अउय

विंथरुण द्वारा जूनियर या अवर समझे जाने वाले विंथरुण पर सहन करने के िलए लाया जाता है तथा जिसमथ िगत या सामूहिक कृंय या अणयास शामिल है, जो है-

ए. शारीरक हमले या खतरे के िलए भौतिक बल के ँयोग मथ शामिल होना,

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

7

बी. मिहला विंथरुण कऽ िंथित, ँतिरुं एवं सणमान का उऽलंघन करना,

सी. अनुसूचित जाति तथा जनजाति से संबंथित विंथरुण कऽ िंथित, ँतिरुं एवं सणमान का

उऽलंघन करना,

डी. विंथरुण पर उपहास एवं अवमानना ँकट करना एवं उनके आंम-सणमान को ँभावित करना,

ई. शािदक दुंयवहार एवं आऽामकता, अभं इशारे तथा अली वहार को शामिल करना,

ii. रैरंग का कोई िगत या सामूहिक कृंय या अणयास जो सामूहिक अनुशासन गठत करता है तथा

इस अणयादेश के ँवधान के अंतगरुणत वहार मथ आता है,

iii. विभाग या ँकूल के भवन के अंदर तथा विधि विधालय ँणाली के ठकसी भाग मथ साथ ही साथ

सावरुणजिनक पहरवहन मथ ठकसी भी ँप मथ रैरंग सत ँप से िनिष होगी,

iv. विधि विधालय का विभागालय या विधि विधालय के छांवास का वाडरुण रैरंग के घटत होने कऽ

ठकसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई करेगा तथा ऐसी घटना कऽ एक हरपोटिंग एंटी-रैंगिंग
सैल को
अनुवर्त कार्रवाई के लिए उत्तुत करेगा।

v. उपरोक्त पैरा 6(4) मऽ उल्लिखित संबंधित अधिकारी रैंगिंग कऽ ठकसी घटना मऽ ंव
उत्तरत जाँच

करेगा तथा कुलपित को उत्तुत करने हेतु उनकऽ पहचान कऽ हरपोटिंग बनाएगा जो रैंगिंग
एवं घटना कऽ
कृति मऽ शामिल है तथा कुलपित को तनुसार सलाह देगा तथा कुलपित उचित
कार्रवाई कर सकता
है।

vi. यऽद विभागायी या विविधालय के छावासा का अधिकारी संतु होता है ठक ठकउहल
कारण से

कोई जाँच को रोक कर रखना यथोचित ावहाहरक नहल है तो वह लिखित मऽ दजिंग
ठकया जाने के
लिए, कुलपित को तनुसार सलाह देगा तथा कुलपित उचित कार्रवाई कर सकता है।

vii. जब कुलपित संतु होता है ठक ऐसी जाँच को रोक कर रखना समीचीन नहल है तो वह उपलब्ध

तःय

तथा परिःतिः के आधार पर निणय ले सकता है तथा उसका वह निणय अंतिम
होगा।

viii. अनुच्छेद 6(4) या 6(5) के तहत एक हरपोटिंग या अनुच्छेद 6(6) के अंतर्गत संबंधित
अधिकारी के

संकऽप के ंर् होने पर, अनुच्छेद 6(1) मऽ वःणगत रैंगिंग कऽ घटना को ंकट करते
थए, कुलपित
निर्दःतवः के लिए एक विवाधत अथवा विवाधय के िनकासन का
निदःश या आदेश देगा।

ix. कुलपित रैंगिंग के अऽय मामल मऽ आदेश या निदःश देगा ठक कोई विवाधत वःणगत
अविध के लिए

निर्काशित होने या न होने के लिए, जो एक या अधिक वर्ष के लिए विभागीय

परीक्षा मंडल आयन

पाठ्यक्रम मंडल विशेषित है अथवा परीक्षा या परीक्षा, जिसमें विवाह या संबंधित

विवाह शामिल

श्रेष्ठ, के पहरणाम र होंगे।

x. 8कसी मामले में, केरल के उच्च विधि विद्यालय कडिडली द्वारा विवाह इस अध्यादेश के तहत दोषी

पाए जाते हैं तो संविधि 15 के तहत, विधि विद्यालय द्वारा उनको उद्धृत कडिडली कड

वापसी के लिए

यथोचित कार्रवाई शुरू होगी।

xi. इस अध्यादेश के अंतर्गत के लिए, रैंगिंग के उद्घोष, चाहे 8कसी माध्यम से या कृत्य द्वारा, रैंगिंग के

अस या अंतरा द्वारा हो, को भी रैंगिंग के बराबर होगा।

xii. केरल के उच्च विधि विद्यालय के अंतर्गत सभी संस्थान इस अध्यादेश के अंतर्गत जारी

निर्देश/8दशा-

निर्देश का पालन करने के लिए बाध्य होंगे तथा कुलपित को अध्यादेश के अभावी

कार्यालय अंतर्गत

करने में सहायता का विस्तार करेंगे।

xiii. उपरोक्त अनुच्छेद के बावजूद, विधि विद्यालय यूजीसी के नवीनतम निर्देश तथा राज्य एवं के उच्च

सरकार द्वारा उक्त विषय पर बने कानून का पालन करेंगी।

7. अपवादी खण्ड एवं अंतर्गत: यह अध्यादेश 15 जनवरी 2009 (के उच्च विधि विद्यालय अधिनियम, 2009

के अंतर्गत

से लागू होना माना जाएगा तथा इस अध्यादेश के विषय पर एक एक सभी कार्य इस अध्यादेश के

संदर्भ में

होने माने जाएंगे।

अध्यादेश 17

विधि विद्यालय कडिडली मंडल विवाह विधाय के माध्यम अनुशासन

[संविध 28(4) के संविध अधिनियम कऽ धारा 8(5)]

1. विविधालय कऽ अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएं

i. अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएं विभागाध्यक्ष के सामाज्य पयक्तावेक्षण के अंतर्गत एवं संबंधित संकाय सदस्य के द्वारा आयोजित

होगी। वह परीक्षा के निर्णय एवं सुविधित आयोजन के लिए उद्भरदायी होगा।

ii. साधारणतया विभागाध्यक्ष के उक्त का मुख्य अधीनक होगा लेकन अपहरहाय पहरिथितय मथ परीक्षा नियंक्त द्वारा ठकसी

अजय वदसंकाय को मुख्य अधीनक के रूप मथ नियुक्त ठकया जा सकता है।

iii. अनुचित साधन के उपयोग का पता लगने कऽ दशा मथ, उक्त मामला संबंधित विभागाध्यक्ष के संज्ञान मथ लाना चाहिये जो

संबंधित अधिाता को उक्त मामले कऽ एक पूर्ण ररपोट सामाज्य ठदशा - निदश के खण्ड 05

मथ निदश आगे कऽ कायवाही

के लिये उत्तुत करेगा।

iv. आगे, ंकूल का अधिाता एक पयक्तावेक्षी सिमित का गठन कर सकता है जो परीक्षा मथ धोखाधड़ी एवं कदाचार कऽ

रोकथाम एवं पता लगाने के लिए निरीक्षण करेगी। ऐसे निरीक्षण मथ ठकसी धोखाधड़ी एवं कदाचार का पता लगने के

मामले मथ अधिाता विभागाध्यक्ष / के उक्त के मुख्य अधीनक कऽ ररपोट के इंतजार के बिना कारवाई करेगा।

2. परीक्षा मथ अनुचित साधन के उपयोग कऽ रोकथाम

i. उक्त ठदन, परीक्षा उक्तारंभ होने से पहले, पयक्तावेक्षक सभी अयथक्ताय को उनके सामान, टेबल, डेस्क आठद कऽ खोज करने को

कहेगा और उनसे सभी कागज, पुस्तक, नोस अथवा संदभगत सामग्री सपने के लिये कहेगा,

जिहण उनके अधिकार मथ रखने

अथवा परीक्षा हॉल मथ उहण अभगय कऽ अनुमित नह है। जब एक अयथ देरी से आता है (30

मिनट के अंदर), यह

चेतावनी उसे परीक्षा हॉल मथ उवेश करने के समय दोहरायी जानी चाहिये। उहण यह भी देखना चाहिये

ठक उक्त अयथ

के पास उसका पहचान पत्र एवं हॉल टिकट है।

ii. एक अथवा यथेष्ट ठकसी भी परीक्षा के सिलसिले में अनुचित साधन का उपयोग नहीं कर सकता। निम्नलिखित को अनुचित

साधन का उपयोग होना माना जाएगा -

ए) संबंधित परीक्षा के विषय से संबंधित / असंबंधित दोषी सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित, अपने पास रखना पाया जाना।

बी) अपने पास रखी सामग्री अथवा पड़ोसी से नकल करना।

सी) उद्घरण पुस्तिका का अदला - बदली करना।

डी) नकल करने के लिये जगह बदलना।

ई) अथवा यथेष्ट का मदद का कोशिश करना।

एफ) पड़ोसी से बात करते पाया जाना।

जी) उद्घरण पुस्तिका अथवा सांख्यिक सामग्री बदलना।

एच) मुख्य उद्घरण पुस्तिका में अथवा यथेष्ट के पंजीकृत नंबर लिखना।

आई) पूर्णतः लिखित उद्घरण पुस्तिका सम्मिलित करना (मुख्य पत्र अथवा अतिरिक्त पत्र)

जे) परीक्षार्थी को धमक देना अथवा मुख्य अधीक्षक तथा / अथवा हॉल अधीक्षक द्वारा अवकाशकारी व्यवहार का सूचना देना।

के) परीक्षा में छात्र के उद्घरण के लिये परीक्षार्थी से परामर्श करना।

एल) उत्तिष्ठपण का दशा में।

एम) सामूहिक नकल।

¹Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

9

iii. कायस्थकारी पद ठकसी अथवा सभी परीक्षा के संबंध में कोई अथवा चूक अथवा आयोग के कृपया को अनुचित साधन का

उपयोग होना घोषित कर सकती है।

iv. यद्यपि कुलपित को पता होता है ठक वहां सामूहिक रूप से नकल हो रही है अथवा ठकसी के 30 / के 30 पर

सामूहिक स्तर पर

अनुचित साधन का उपयोग हो रहा है, वह सभी संबंधित अय्यथय कऽ परीक्षा निरंतर करा
सकता है तथा पुनः परीक्षा का
आदेश दे सकता है।

नोट: जहाँ भारी पर्यवेक्षक को यह पता होता है एक एक-तिहाई अथवा अधिक विवाध अनुचित साधन
के उपयोग में लि है

अथवा एक-एक परीक्षा हॉल में नकल कर रहे थे, तो यह सामूहिक नकल का मामला माना जायेगा।

3. सामाज्य षदशा-निदश - ँवेश परीक्षाएं एवं सेमेटर परीक्षाएं

i. एक-एक ँवेश परीक्षा के दौरान अय्यथ, मुख्य अधीक्षक के अनुशासनात्मक नियंत्रण में रहेंगे, जो एक
परीक्षा के निष्पत्ति

एवं सूचित आयोजन के लिए आवश्यक निदश दएंगे। यद कोई अय्यथ निदश का पालन
नह करता है या निरीक्षक ं

टाफ के एक-एक भी सदस्य के साथ या केउं पर एक-एक भी पर्यवेक्षक के साथ दु-यवहार करता है, तो उस
सू के लिए परीक्षा

से बिहृकृत कया जा सकता है।

ii. मुख्य अधीक्षक उ मामले के तःय कऽ ढरपोट सांय के पूण विवरण के साथ परीक्षा नियंत्रक को
तुरंत ढरपोट करेगा जो

सामाज्य षदशा-निदश के खड 4 के अंतर्गत उ मामले को परीक्षा अनुशासन समित को
भेजेगा। उ समित खड 07

के तहत, जो उचित समझे, अनुशासनात्मक कायवाही के लिये अपनी अनुशंसा कुलपित को देगी।

4. सामाज्य षदशा-निदश - सेमेटर परीक्षाएं

i. परीक्षा केउं का मुख्य अधीक्षक/ विभागाध्यक्ष, यद संभव हो सके, परीक्षा नियंत्रक को बिना विलंब
अथवा घटना के दन

अय्येक मामले कऽ सूचना देगा, जहाँ परीक्षा में अनुचित साधन का उपयोग होना संदेहापद हो अथवा
उसके समर्थन में

सांय कऽ पूणभ्ण िववरण के साथ खोज तथा संबंिधत अ यथट का बयान, यद हो, इस उंय के िलये

परींा िनयंक ँऽारा

उपलुध कराये गये ुपु पर सूचना देगा।

ii. ठकसी अ यथट को बयान देने के िलये बाय नहद ठकया जा सकता, लेठकन मुय अधींक ँऽारा उसके बयान देने से मना

करने को अभिलिखत ठकया जाना होगा तथा उसे घटना के घटत होने के समय कायभ्ण पर तैनात

पयभ्णवेंक ठटॉफ के दो

अय सदंय से ुमाणित करवाना होगा।

iii. ठकसी अ यथट के ँऽारा अनुचित साधन के ुयोग करने का पता लगने अथवा संदेह होने पर उसे ुपु को हल करने के

िलये अनुमित दी जा सकती है, लेठकन पृथक उठुर पुंितका पर। उठुर पुंितका, िजसमथ अनुचित

साधन के ुयोग संदेह

हो, उसे मुय अधींक ँऽारा जलत ठकया जाएगा, जो परींा िनयंक को अपनी ढरपोटभ्ण के साथ उठुर पुंितका भेजेगा।

यह संबंिधत अ यथट को शेष परींा मथ भाग लेने से ुभावित नहद करेगा।

iv. केअ अधींक, परींक, पेपर सेटर, मूयांकनकताभ्ण, मयंथ, सारणकार, अथवा िविंालय कऽ परींा से जुड़े ि, जो

भी िंथित हो, के ँऽारा अनुचित साधन के ुयोग के सभी मामले संपूणभ्ण ुासंगिक सामली के

साथ परींा िनयंक को

सुचित ठकया जाना चाहिये।

5. परींा अनुशासनामक सिमित

i. अनुचित साधन के किथत तौर पर ुयोग के सभी मामले कुलपित ँऽारा िनयु परींा अनुशासन सिमित को भेजे जाने

चाहिये।

ii. उ सिमित िविंालय के िशंक एवं अधकाहरय मथ से 05 सदंय से िमलकर तैयार होगी। इन मथ से एक सदंय

कुलपित ँऽारा अयंक के ुप मथ नामित ठकया जाएगा।

- iii. एक सदस्य दो वर्षों का अवधि के लिये नियुक्त होगा, तथा पुनःनियुक्ति का पात्र होगा।
- iv. उपरिष्ठत तीन सदस्य समितिके गणपूर्वतन का निर्माण करणगे।
- v. सामाज्यतः, सभी निर्णय, समितिके द्वारा साधारण बहुमत से पादरत हणगे। यद सदस्य आम सहमित तक नहण पणंच पाते ह.,
- तो उ मांमला कुलपित को भेजा जायेगा, जिसका निर्णय अंतिम होगा।
- vi. परीक्षा अनुशासन समितिके द्वारा लिये गये सभी निर्णय ढवीकृति के लिये कुलपित के समीप रखे जायणगे।
- vii. एक अ यथ, विविधालय द्वारा लिये गये निर्णय क ँरि के एक माह के भीतर, अपने मांमले क समीक्षा हेतु कुलपित

को लिखित मण अपील कर सकता है। यद कुलपित को ँप होता है ढक यह निवेदन विचार करने योय है तो वह उ मांमले को पुनर्विचार के लिये परीक्षा अनुशासन समिति को वापस भेज सकता है।

6. परीक्षा अनुशासन समिति अनुचित साधन के मांमले के लिये निलिखित मण से एक दण्ड क अनुशंसा कर सकती है -

अनुचित साधन क ँकृति	दण्ड का पैमाना
यद अ यथ खण्ड 2 (ii) के उपखण्ड (ए) से (जी) मण उलेखित अनुचित साधन	1. उस स मण अ यथ द्वारा पंजीकृत सभी विषय मण विविधालय क परीक्षा
यद अ यथ 2(ए) से (जी) मण उलेखित अनुचित साधन को तीसरी बार दोहराता है।	2. उस स मण अ यथ द्वारा पंजीकृत सभी विषय मण विविधालय क परीक्षा
यद अ यथ खण्ड 2 (ii) के उपखण्ड	3. अ यथ क केवल उस सेमेंटर के दौरान पंजीकृत सभी विषय क
यद अ यथ खण्ड 2 (ii) के उपखण्ड	4. अ यथ क उस स के लिये पंजीकृत सभी विषय क परीक्षा र
यद अ यथ खण्ड 2 (ii) के उपखण्ड	5. अ यथ क उस स के लिये पंजीकृत सभी विषय क परीक्षा र
यद अ यथ खण्ड 2 (ii) के उपखण्ड	6. अ यथ क उस स के लिये पंजीकृत संबंधित विषय क
यद अ यथ खण्ड 2 (ii) के उपखण्ड (एल) मण उलेखित अनुचित साधन का	7. अ यथ क उस स के लिये पंजीकृत सभी विषय क परीक्षा र करना तथा परीक्षा स के लिए पंजीकरण

यहद अ यथ खल्लुड 2 (ii) के उपखल्लुड (एम) मथ उलेखित अनुचित साधन का उपयोग करता है।	8. (ए) एक कौ मे: उस कौ के विवाथ के द्वारा ली गयी संबंधित परीक्षा र करना। कौ अधीक एवं यो व अयो अप से शामिल अय ि को अगली छ: स््रीय परीक्षा के लिये परीक्षा के काय, जैसे पयवैण, य पू सैटंग,
--	---

7. अपवादी खल्लुड एवं यारंभ: यह अयादेश 15 जनवरी 2009 (केतीय विविवालय अधिनयम, 2009 के यारंभ से) लागू होना माना

जाएगा तथा इस अयादेश के विषय पर एकए गए सभी काय इस अयादेश के संदभ मथ होने माने जाएंगे।

Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

11

अयादेश 18

परीक

[अधिनयम के खल्लुड 28(जी) एवं खल्लुड 43(3)]

- सभी परीक्षा के लिए, पी.एच. डी.उपाधि के अलावा, परीक एवं मयंथ क सूची संबंधित संकाय सिमित द्वारा तैयार क जाएगी तथा परीक्षा नियंक को ुत क जाएगी। परीक्षा नियंक सूची का छान-बीन करंगे और अनुमोदनाथ कुलपित को ेषित करंगे।
- कायकारी पदरपद द्वारा परीक के चयन एवं नियु के लिए समय-समय पर बनाए गए नियम के अनुसार कुलपित द्वारा परीक क नियु क जाएगी।
- कायकारी पदरपद द्वारा इस उेय हेतु समय-समय पर बनाए गए पीएच.डी. के अयादेश एवं विनयम के अनुसार शोध पयवैण के ुताव पर कुलपित द्वारा पी.एच. डी उपाधि के लिए परीक को ीकृत ठकया जा सकता है।
- कुलपित ठकसी परीक क नियु को ठकसी भी समय िनरंत कर सकता है।
- परीक ििलिखत ेणिय मथ नियु ठकया जा सकता है:
 - परीक (यपू िनधाकारक) जो विभ परीक्षा के लिए यपू सेट करेगा,
 - उर पुंतका के मूयांकन करने के उेय के लिए परीक
 - उसके कत हगे-

मुय

परीक

ए. मूड यांकन के कायभण बांटना

बी. मूड यांकन के मानक ठाणित करना

सी. उछर पुठितका को मान देना

डी. ँयायोगिक परीठा के िलए या उस के आयोजन के िलए पेपर सेट करना, यद हो,

ई. परीठा के पहरणाम पर हरपोटभण करना,

एफ. परीठक के कायभण को पयभणवेठित करना,

जी. कुलपित ँनारा उसे सपे गए अउय कायभण करना

iv. परीठक एक वषभण के िलए िनयु हगे एवं पुनः िनयु के योय हगे।

v. परीठा िनयुंक को ँरेषित करने के िलए, संकाय सिमित एवं अधाता ँनारा वाषभणक

प से एक

सूची बनायी जाएगी जो िवषयवार/ठेठवार ँपु िनधाभणरक एवं परीठक को ँदशभणत

करेगी।

6. िवठिवालय मथ परीठक के दो बोडभण हगे, एक ँपु के िनधाभणरत व िनयुंक करने (पेपर

िनधाभणरक परीठक

बनने के

का पैनल) तथा दूसरी उछर पुठितका के मूड यांकन एवं परीणाम कड सारणी के िलए (मूड य िनधाभणरक

का

िलए

पैनल)।

योय ँपु सेटर

परीठक का बोडभण संबंथित िवभागायठ एवं अधाता के मायम से परीठा िनयुंक को समेठकत

पहरणाम ँरेषित करेगा। परीठा िनयुंक ऐसे समेठकत पहरणाम को परीठा सिमित के समठ

रखेगा।

नहले होने

वाले

ठि 7. पाडम ँठतावित करने वाला पाडम िशठक परीठक के बोडभण का सदंय होगा जैसा

ठक िविनयम मथ

उलेखित है।

8. साधारणतः िनिलिखत

ठि परीठक के प मथ िनयु के योय नहले हगे:

ए) कला (मानिकड), कानून एवं िवठान िवषय के िवठिवालय/ संठथान मथ सात वषभण से कम

ठिठण

अनुभव वाले िशठक

बी) कायभ्र्णकारी पहरषद के सदंय िवशेष ंयोजन के िलए को छोड़कर, जो ढक िलिखत मः दजभ्र्ण
ढकया
जाएगा।

9. इस अण्णयादेश के अनुच्छेद 2 के तहत िनयु ं परीँक ं एवं बोडभ्र्ण के अण्णयँ को ढदये जाने वाले
पाहरँमिक

एवं भङ्गे समय समय पर कायभ्र्णकारी पहरषद ंनरा िनधाभ्र्णहरत ढकये जाएंगे। सभी परीँक
कायभ्र्णकारी पहरषद्
ंनरा समय-समय पर जारी अनुदेश ं का पालन करःगे।

10. अपवादी ख ं एवं ंरंभः यह अण्णयादेश 15 जनवरी 2009 (केउँीय िवर्िवँालय अधिनयम, 2009
के ंरंभ कः ितिथ) से लागू होना माना जाएगा तथा इस अण्णयादेश के िवषय ं पर ढकए गए सभी
कायभ्र्ण इस
अण्णयादेश के संदभ्र्ण मः होने माने जाएंगे।

अण्णयादेश-19

परीँा सिमित

[अधिनयम के ख ं 34(आई) एवं 43(3)]

संविधान एवं
संयोजन

1. िवर्िवँालय मः एक परीँा सिमित होगी।

2. उ ं सिमित िनिलिखत ं िय ं से िमलकर होगी:

- i. कुलपित या उसका नािमनी - अण्णयँ
- ii. शारीहरक िशँा/खेल-कूद िनदेशक, रःीय सेवा योजना समवयक - सदंय (पदेन)
एवं अध्र्ता, छाँ कःयाण
- iii. कुलपित ंनरा मनोनीत ंकूल के तीन अध्र्ता - सदंय (पदेन)
- iv. कुलपित ंनरा मनोनीत तीन िवभागाण्णयँ - सदंय (पदेन)
- v. कुलपित ंनरा मनोनीत अकादिमक पहरषद से दो ं - सदंय (पदेन)
- vi. परीँा िनयँक - सदंय-सिचव (पदेन)

कायभ्र्णकाल, 3. सभी मनोनीत सदस्य का कायभ्र्णकाल तीन वर्षभ्र्ण कऽ अविध के िलए होगा तथा वे

पुनःमनोनयन/पुनःिनयुि के िलए

गणपूतभ्र्ण, कायभ्र्ण एवं योय हगे

शिायँ

4. सिमित कऽ एक बैठक के िलए चार सदस्य गणपूतभ्र्ण बनाएंगे।

5. उ सिमित परीक के िविभु बोडभ्र्ण ँऽारा ँरेषित समेठकत पहरणाम पर िवचार करेगी, उसे मंजूर करेगी तथा

िविविंालय मऽ सभी परीा पहरणाम कऽ घोषणा के िलए वंथा करेगी।

6. सिमित को, अनुह ँड ँदान करने के संबंध मऽ बने ञए िनयम के अनुसार, योय मामल

मऽ अनुह ँड ँदान

करने कऽ शि होगी। यह परीा के संबंध मऽ सभी मामल पर एक अपीलीय सिमित के ञप मऽ

भी कायभ्र्ण करेगी।

7. उ सिमित अकादिमक पहरषद को, िविविंालय कऽ परीा के कायभ्र्ण पर ँयेक वर्षभ्र्ण

एक हरपोटभ्र्ण ँंतुत

करेगी एवं ँभावी सुधार कऽ अनुशंसा करेगी।

8. उ सिमित, परीा मऽ अनुचित साधन के ँयोग लेने पर अ यथभ्र्णय के िवऽ कऽ

जानी वाली

अनुशासनामक कारभ्र्णवाई अथवा परीा के आयोजन के िलए िनधाभ्र्णहरत िनयम के

ठकसी भी ञप मऽ उलंघन

के संबंध मऽ अनुशंसा भी देगी।

9. यह अउय ऐसे कतभ्र्ण एवं कायभ्र्ण िनृपाहरत करेगी जो ठक उसे अकादिमक पहरषद ँऽारा

सपे गए ह।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

13

बशतऽ ठक परीा सिमित िविविंालय के ठकसी अधिकारी को उपरो वऽणभ्र्णत शिय मऽ से

कोई या सभी शिायँ

सप सकती है।

10. अपवादी खड एवं ँरंभः यह अयादेश 15 जनवरी 2009 (केउीय िविविंालय अधिनयम, 2009 के

०२०२० से) लागू होना माना जाएगा तथा इस अध्यादेश के विषय पर एक एक सभ्य कायदा इस
अध्यादेश के संदर्भ
मथ होने माने जाएंगे।

अध्यादेश 20

उपाधि, डिजिटल, ०२माण-पू एवं अडय विशेष सन्मान ०२दान करना

[संविधि 26 के साथ पठित खण्ड 6(1(ii), खण्ड 28(1)(डी) एवं 43(3)]

1. विविध विद्यालय द्वारा उपाधि, डिजिटल, ०२माण-पू एवं अडय शैक्षणिक विशेष सन्मान उन विद्यार्थियों पर ०२दत्त एक एक जाएंगे जो

अकादमिक पदार्थद द्वारा ऐसे अवाड ०२दान करने के लिए योग्य होने के लिए परीक्षा सिमित द्वारा
विविधवत् रूप से ०२माणित ह।

2. निम्नलिखित उपाधि, डिजिटल ०२माण-पू एवं अडय विशेष सन्मान, ०२येक मामले मथ समय-समय पर
अध्यादेश या विनियम मथ

इस संबंध मथ निम्नलिखित शत के अनुसार ०२दान एक एक जाएंगे:

- i. डाक्टर आफ साइंस कड शोध उपाधि, साहित्यिक डाक्टर, दशमान डाक्टर एवं दशमानशाथ
निर्णय,
- ii. कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, कानून, ०२ौद्योगिक, चिकित्सा एवं ०२बंध अध्ययन मथ
छात्रकोष्ठ उपाधि,
- iii. अकादमिक पदार्थद एवं कायदाकारी पदार्थद द्वारा समय-समय पर अनुमोदित विशिष्ट मथ
डिजिटल एवं ०२माण-पू,
- iv. वण ०२पदक,
- v. समय-समय पर ०२तावित अडय कोई उपाधि/ डिजिटल/ ०२माण-पू तथा पदक/विशेष सन्मान

3. कायदाकारी पदार्थद, अकादमिक पदार्थद के कम से कम दो-तिहाई सदस्य कड उपस्थित एवं मतदान के बहुमत
पर, अनुशांसा पर

विविध को मानद उपाधि ०२दान करने के ०२ताव देगी।

बशतः एक आपात स्थिति मथ, कायदाकारी पदार्थद वयं ऐसे ०२ताव दे सकती है

एक िको को इस आधार पर िनिलिखत मानद िडिग्सँ ेदान कऽ जा सकती है ःक वह, ेतिस्ति िंथित एवं उपलिधय के

कारण अथवा सीखने या ेतिस्ति सेवा मः उनके योगदान या िशैा या समाज मः ेसि सेवा के आधार पर

ऐसी उपाधि ेा

करने हेतु एक योय एवं उपयुि है:

डाटर आफ ला

डाटर आफ िलटरेचर (डी.िलट)

डाटर आफ लैटसः

डाटर आफ साइंस (डी. एससी)

4. मानद उपाधि केवल दीांत समारोह मः िगत ३५ से या अनुपिंथित मः ेदान कऽ जानी चाहिए।

5. अपवादी खड एवं ेारंभ: यह अयादेश 15 जनवरी 2009 (केड्रीय िविविालय अधिनयम, 2009 के ेारंभ कऽ ितिथ) से लागू

होना माना जाएगा तथा इस अयादेश के िवषय पर ःकए गए सभी कायः इस अयादेश के संदभः मः होने माने जाएंगे।

अयादेश 21

उपाधि ेदान करने के िलए दीांत समारोह

[अधिनयम कऽ संविध 29 एवं 43(3)]

1. वाषःक दीांत समारोह

i. साधारणतः उपाधि ेदान करने के उेय से दीांत समारोह एक वषः मः एक बार कुलाधिपित

कऽ पूवः अनुमित के साथ

कुलपित ःनःारा िनधाःरत कऽ गयी ितिथ एवं ंथल पर आयोजित होगा।

ii. िविविालय ेयेक शैिणिक वषः के ेारंभ मः, वषः के दौरान इसकऽ सभी गितिविधय के

िलए कायःम बताते ःए

अपने शैिणिक कैलंडर कऽ घोषणा करेगा।

iii. िविविालय के शैिणिक कैलंडर मः शैिणिक गितिविधय के िलए कायःम जैसे पाःम

एवं परीा के अितः

उपाधि २ दान करने कऽ तिथि शामिल होगी।

iv. यह अवैध है यदि यह विधायक को एक बार से अधिक उपाधि प्रदान करने की अनुमति देता है।

उसके शैक्षणिक कैलेंडर में शामिल होगा।

v.उपाधि ेदान करने कऽ तिथि(याँ) उसके 180 ढदन के अंदर होनी चाहिए, िजसके ईदद्वारा विवाहथभाय

को अहभाता ेांू करना

एवं उनके िलए योय होना अपेिित होगा।

vi. कुलाधिपति, यद्द उपिष्ठत होता है तो उपाधि ेदान करने के िलए िव्विवालय के दीर्ांत समारोह कऽ अायीता

करेगा। कुलाधिपति कऽ अनुपिठित मऽ, कुलपित दीर्घांत समारोह कऽ आयोजता करेगा।

2. विशेष दीर्घांत समारोह

i. मानद उपाधि प्रदान करने के उद्देश्य के लिए एक विशेष दीर्घांत समारोह भी ऐसे समय पर आयोजित किया जा सकता है,

जिसे कायस्थकारी पदार्थ द्वारा निधाकृत किया गया हो।

3. नोट्स

i. कुलसचिव द्वारा दी जाण्ट समारोह कऽ सभी बैठक के िलए कम से कम चार सूाह का नोटस ढदया जाएगा।

ii. कुलसिचव, नोड्टस के माण्यम से, दीर्घांत समारोह के ेक सदंय को, वहां पर पालन कइ जाने वाली ेक ेक ेक का एक

कायस्थानम जारी करेगी।

iii. वे अ यथऽ, जो वषऽ मऽ अपनी परीऽां उऽीणऽ कर चुके हऽ, िजसके िलए दीऽांत समारोह आयोजित है, दीऽांत समारोह मऽ

शािमल होने के िलए योय हगे।

बशतः एक यह प्रथम दीर्घांत समारोह के लिए लागू नहीं होगा, जिसमें सभी पूर्वकावत वष के

अ. यथट भी अपनी संबंिधत

उपाधिय के िलए शािमल हो सकते ह।

बशतः यह भी ठक उस दशा मऽ, जब दीर्घांत समारोह ठकसी विशेष वषऽ मऽ आयोजित नहऴ हो पाया है, तो कुलपित औपचाऴरक दीर्घांत समारोह के िलए ँतीर्घा ठकए िबना, परंतु िनधाऽऴरत शुऽक के भुगतान पर संबंधित उपाधियऽ के अऽ यऽथऽयऽ को शािमल करने मऽ सँम होगा।

हालांठक, ऐसे उपाधि ँर्कताऽ, सामाऽय संबोधन हँताऽऴरत करऽगे जो उऽहऽ दीर्घांत समारोह के सामाऽय आयोजन के समय करना िनवायऽ है।

बशतः यह भी ठक उस दशा मऽ, जब दीर्घांत समारोह ठक विशेष वषऽ मऽ आयोजित नहऴ होता है, तो कुलपित सभी उन योऽय अऽ यऽथऽयऽ को िधकृत ऽप से शािमल करने के िलए सँम होगा जो अगले दीर्घांत समारोह मऽ दीर्घांत समारोह के माऽयम से अपनी उपाधियाँ ँर्क करना चाहते हऴ. तथा िनधाऽऴरत शुऽक के भुगतान पर उनको संबंधित उपाधियाँ ँदान करना चाहते हऴ।

बशतः यह भी ठक जब दीर्घांत समारोह िनयिमत ऽप से आयोजित होता है तब वे, जो अपनी उपाधि ँनुपिँथित मऽ ँर्क

4.

करना चाहते है, वे सामाऽय शुऽक के भुगतान के प्ात् भी ऐसा कर सकते हऴ।

आवेदन-प्ू

- i. उपाधि के िलए एक अऽ यथऽ को िस उऽेँय के िलए िनधाऽऴरत शुऽक के साथ, दीर्घांत समारोह मऽ उपाधि मऽ ँवयं के ँवेश

के िलए, िनधाऽऴरत ितिथ पर या उसके पूर्वऽ अपना आवेदन कुलसिचव को ँर्तुत करना आवँयक है।

- ii. विविँालय उपाधि ँदान करने के िलए िनधाऽऴरत कऽ गयी ितिथ(यऽ) के कम से कम 30 ऽदन पूर्वऽ एक कायऽऴम सूचित

करेगा, ताठक अऽ यथऽ उसके िलए आवेदन कर सकऽ।

iii. ऐसे अथवा यथा जो से दीर्घांत समारोह मशुर्गित उपस्थित होने मशु असमर्थ ह., वे कुलाधिपति द्वारा

या उन कऽ

अनुपि॑थित मः॑ कुलपितः॑ ~~इति~~॑ आ अनुपि॑थित मः॑ उपा॑थि ॐ॑ा॒ करने हेतु ॐ॑वेश दया जाएका तथा आवेदन

करने तथा

निधाभूत शुक का भुगतान करने पर कुलसिचव द्वारा उनके िडालोमा दए जाएंगे।

 ${}^1\text{Hk}kx \text{ III} \mu[\text{k.M } 4^0$

```
Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k
```

15

5. शु॒क

दीर्घांत समारोह मधु... िगत ३५ से उपाधि मधु शामिल होने के िलए शु,क समय-समय पर िनधांतर

होगा।

6. मानद उपाधि

मानद उपाधि केवल दीर्घांत समारोह मधुदान कइ जाएगी एवं िगत रूप से या अनुपिठित मधु ली जा सकेगी।

7. दीर्घांत समारोह मधुः

ि य कऽ

द्वारा दान कऽ जाएगी।

8. दीर्घांत समारोह कऽ ॐऽऽया

i. दीर्घांत समारोह मश अ यथार्थतया को उनका संबंधित उपाधिय के लिए उपयु गाउन एवं टोपा पहनना होगा जो एक

कायदाकारों द्वारा निर्देशित हो। कोई भी अन्यथा दीर्घांत समारोह में शामिल नहीं हो

सकता जो विविधालय द्वारा

निधाभूषणरत उचित अकादिमक पोशाक मः नहल है।

ii. दीर्घांत समारोह मश उपाधि य को ुदान करने के िलए, अ यथभूत को उनक उपाधि मश शामिल करने के िलए,

कुलाधिपति को या उनका अनुपस्थित मः कुलपति को औपचाहरक से सेतु करना होगा, जो ठक है:

संबंधित छात्रकोष्ठ विभाग का अध्यक्ष कला निम्नगत एवं विज्ञान निम्नगत अध्यक्षता को उपस्थित करेगा।

पदक एवं प्रशंसा पत्र के प्राप्ति का नाम कलसिचव या कलपित के द्वारा मनोनीत ।

ि□ के ~~W~~ारा पढा जाएगा।

कुलसिचव या इस उद्देश्य के लिए नियुक्त, निम्न अनुपिठित के अंतर्गत उपाधि प्रदान करने के लिए
अन्य व्यक्तियों को उपिठित करेगा।

उपाधि प्रमाण-पत्र दीर्घांत समारोह के समूह होने के पूजाएं।

कुलपित द्वारा निम्नलिखित तरीके से अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए

विज्जट, कुलाधिपति, मुख्य अतिथि, कुलपति, अधिष्ठाता, कुलसिचव, विगत अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं
विश्वविद्यालय कक्ष

प्रमाणिकरण के सदस्यों को विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित उनके विशेष पहरधान पहनने होंगे तथा
दीर्घांत समारोह के आयोजन के

लिए आगे कक्ष कार्यावाही कार्याकारी मंथन निम्नलिखित होगी।

भारतीय संघ का कोई मंत्री, राज्य सरकार का मंत्री, केन्द्र शासित प्रदेश, लोक सभा/ विधान मण्डल/संघ राज्य
विधान मण्डल के

सभापति, जब भी वे दीर्घांत समारोह मंथन उपिठित होते हों, उनका निम्नलिखित के अनुसार उचित विशेष पहरधान
प्रदान ठकये जाएंगे जो ठक

निम्नलिखित मामलों मंथन कुलपित द्वारा निम्नलिखित होंगे एवं विश्वविद्यालय के अध्यक्ष

प्रमाणिकरण/अधिकारय कक्ष तरह, वे अपने

अकादमिक पहरधान के साथ दीर्घांत समारोह मंथन उपिठित होंगे।

9. अपवादी खण्ड एवं प्रारंभ: यह अध्यादेश 15 जनवरी 2009 (केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के प्रारंभ
कक्ष तिथि) से लागू

होना माना जाएगा तथा इस अध्यादेश के विषय पर ठकए गए सभी कार्यों इस अध्यादेश के संबन्धित मंथन होने माने
जाएंगे।

अध्यादेश 31

यात्रा एवं विराम भूत से संबंधित अध्यादेश

[संविधि 2(iii) एवं 12(xx) के साथ पठित अधिनियम के खण्ड 28(ओ)]

- ये नियम केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय के यात्रा एवं विराम भूत नियम कहलाते हैं।
- ये लागू हो सकते हैं:

- i. विविधालय के अधिकरण के सदस्य एवं अधिकरण या कुलपित द्वारा नियुक्त समितियों के सदस्य
 - ii. विविधालय के अधिकारी एवं कमजोरचारीगण (शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक) एवं टैक्सिंग काउंसिल
 - iii. अनुमोदित मण्डलीय कायदा एवं अथ शैक्षणिक गतिविधियों पर विचार ।
3. यांचा एवं विराम भूखे निम्नलिखित वगैरे को लागू होंगे:
- i. अधिकारण के सदस्य, उपरोक्त अधिकारण द्वारा नियुक्त समितियों के सदस्य।
 - ए) रेल द्वारा यांचा: एसी टू टीयर, एकमेक मागण का ठकराया सदस्य के लिए निवास के स्थान से कायस्थल तक एवं वापसी
 - बी) हवाई यांचा: भारत सरकार के नियमानुसार
 - सी) रोड माइलेज कऽ दर: भारत सरकार के नियमानुसार। रोड माइलेज कऽ दर एकसी राज्य के मैट्रोपोलिटन शहर मऽ

चलित दर के आधार पर होगी, यद कोई दर निधांतरत नहल कऽ गयी है, तो पड़ौसी राज्य के नियम को ठवीकार

ठकया जाएगा। हालांठक, यद कोई ऐसी दर निधांतरत नहल कऽ गयी है, रोड माइलेज भूखे कऽ ठवीकृति पर शासित

अथ शत एवं समय-समय पर विषय पर जारी आदेश के अनुसार टीए दावे के विनियम को पयान मऽ रखते ञए

निम्नलिखित रोड माइलेज भूखे निधांतरत ठकया जा सकता है:
 - डी) ठवयं कऽ कार/टैसी मऽ कऽ गयी यांचा - ञपये 16/ठक.मी.
 - ई) आटो हर/शा/ठवयं के ठकूटर द्वारा कऽ गयी यांचा - ञपये 8/ठक.मी.
 - एफ) दैनिक भूखे: (अनुलक के अनुसार)
- बशतऽ ठक कुलपित विशेष मामले मऽ, यद आवश्यक हो, ठकसी अथ दर या दर पर यांचा एवं विराम भूखे ठवीकार कर सकता है।

- ii. विविधालय के कमज्जाचार्य, जो एक मुयालय पर रहते ह., के अलावा ुधिकाइरय के सदंय उपरो 3(ए)(2) के

तहत िनधाज्जाइरत ुधिकाइरय या सिमितय क\$ बैठक मं भांग लेने के िलए याा भुा के पा हगे।

- iii. कुलपित

(i)रेल िल्लारा यााः रेलवे िल्लारा ुदु वातानुकूलित या उ ंणी का आवास

(ii)हवाई यााः कायज्जाकारी/ िबजनेस ंलास

(iii)रोड माइलेज क\$ दर: भारत सरकार के िनयमानुसार वांतिवक इकराया

- iv. विविधालय के अउय कमज्जाचारीगण: ं

टाफ के सदंय को याा/ िवराम भुे के उंय से िनिलिखत पाँच पदम वेतन मं ंणीब इकया जाएगा:

मूल वेतन + गैर अा यास भुा (एनपीए) + ठहराव वृि

अपये 10000 या अधिक तथा जो एचएजी+वेतनमान एवं उसके अधिक वेतनमान मं है:

- (i) अपये 7600 – 9000
(ii) अपये 5400 – 8000
(iii)अपये 4200 – 4800
(iv) 4200 से नीचे

पदम वेतन	याा अधिकार (2)
अधिकारी िजनका पदम वेतन अपये 10000 एवं उससे अधिक है तथा िजनका वेतनमान एचएजी+ एवं अधिक	हवाई जहाज से िबजनेस/लब ंलास / रेल से एसी फट ंलास
अधिकारी िजनका पदम वेतन अपये 7600, 8000, 8700, 8900 एवं 9000 है	हवाई जहाज से इकोनामी ंलास / रेल से एसी फट ंलास
अधिकारी िजनका पदम वेतन अपये 5400, 6000, 6600, 7000 है	हवाई जहाज से इकोनामी ंलास / रेल से एसी टीयर ंलास
अधिकारी िजनका पदम वेतन अपये 4200, 4600, 4800 है	रेल से एसी टू टीयर ंलास
अधिकारी िजनका पदम वेतन अपये 4200 से कम है	रेल से फं ट ंलास/एस ी टीयर/एसी चेयर कार

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

17

उपरो मं शािमल कुछ भी होने पर, टैसी/वयं क\$ कार/ आटोइरशा/ दुपिहया वाहन के िलए पाता, भारत

सरकार के िल्लारा

ुयेक वगज्जा के िलए ुचिलत दर का अनुसरण इकया जाएगा।

नोट 1: वेतन से आशय, विशेष वेतन के संशोधित वेतनमान मः वेतन, गैर अ. यास भङ्गा, ्र

िगत वेतन तथा ढकसी ्र

िग ॥॥॥ारा

वांतिवक ॥प से आहङ्गरत, वेतन के ॥प मः विशेष ॥प से वगटकृत अडय पङ्गरलिधुयाँ।

नोट 2: पुनः िनयोिजत ्रििय के मामले मः, 'वेतन' मः वांतिवक पःशन कऽ रािश एवं पःशन के समान

सेवािनवृि ॥॥युटी, जो वह

वेतन या पुनःिनयोजन के साथ आहङ्गरत करने के िलए ंवीकृत है। यःद वेतन के साथ पःशन आःद का योग, पद के अधिकतम

वेतनमान से अधिक है तो ऐसी अधिकता पर ॥यान नहः ःदया जाएगा।

नोट 3: ंट.डंग काउंसिल कऽ पाःता, ्रयेक मामले के आधार पर कुलपित ॥॥॥ारा िनधाङ्गरत कऽ जाएगी।

नोट 4: अनुबंधित कमङ्गराडय के कऽ पाःता, ्रयेक मामले के आधार पर कुलपित ॥॥॥ारा िनधाङ्गरत कऽ जाएगी।

नोट 5: शैिणिक गितिविधय के मः शािमल िव्ाथङ्गरय के कऽ पाःता, ्रयेक मामले के आधार पर कुलपित ॥॥॥ारा िनधाङ्गरत कऽ जाएगी।

4. सामाडय शतः

- i. टाफ के एक सदंय को आधकाङ्गरक कायङ्गर के संबंध मः अथवा सभा, सःमेलन या सेमीनार के संबंध मः, जब वह

िवि्विंालय ॥॥॥ारा ्रित्तिनिध के ॥प मः भेजा जाता है (सःमेलन के आयोजन करने वाले ्राधिकारी को देय नहः है)

अथवा जब उडहः ंै्रीय कायङ्गर या शैिणिक ्रमण/ ंै्रीय कायङ्गर पर िव्ाथङ्गरयोे के साथ जाना पडता है, तो याःा के िलए

उसे याःा / िवराम भङ्गा ःदया जाएगा। हालांढक, इस उंैय के िलए िनधाङ्गरत सँम

्राधिकारी का अनुमोदन, ऐसी

याःा को ्रारंभ करने से पूवङ्गर लेना होगा।

नोट: सभा/ सःमेलन/ सेमीनार के मामले मः कुलपित कऽ पूवङ्गर अनुमित ्रार् होनी चाहिए। अिर्धाता,

िवि्विंालय ॥॥॥ारा ं

वीकृत पहरयोजना के संबंध मऽ िश्टिक एवं अउय शोध/तकनीकऽ ंटाफ के िवैय कायऽ को ंवीकृत
वधन के भीतर ंवीकृत

कर सकता है

ii. आधिकारी कायऽ पर अउय याऽ के मामले मऽ, िवत अधिकारी, परीऽा िनयूक, अधिाता,
कुलसिचव एवं

पुंतकालयायू, उनके साथ कायऽरत ंटाफ के मामले मऽ कायऽ को अधिकृत कर सकते ह।

iii. िवत अधिकारी, परीऽा िनयूक, अधिाता एवं कुलसिचव के मामले मऽ याऽ का कायऽम
िवि्विालय के कुलपित से ं

वीकृत करवाना होगा।

iv. जब एक ि छुी/अवकाश के साथ संयु दौरे पर होता है एवं याऽ के पूणऽ होने पर तुरंत मुयालय
नहल आता है, वह

केवल आगे कऽ याऽ के िलए याऽा/ िवराम भूे का पाऽ होगा।

v. जब एक अवकाशित ंटाफ के सदंय को अवकाश के दौरान कुलसिचव या अउय संवैधानिक िनकाय एवं इन
िनकाय

ऽऽारा िनयु समितय या परीऽा समितय कऽ बैठक आद कऽ बैठक मऽ भाग लेने के िलए

बाहर से मुयालय आना

आवंयक होता है तो बाहर रहने के थान से बैठक के थान तक तथा वापसी कऽ याऽ के िलए वह याऽा

भूे का पाऽ

होगा, परंतु ंकसी िवराम भूा का पाऽ नहल होगा।

vi. एक ंकत आवंयक ाप से उसे ंवीकृत अवकाश कऽ समाि के पूवऽ कतऽ के िलए पुनः

बुलाया जाता है तो वह उस ं

थान से याऽा भूा के आहरण का पाऽ होगा, जहां पर उसे संचार पञ्चा हो बशतऽ ंक उ अवकाश

मऽ कटौती एक माह

से कम न हो। यद वह अविध िजसके ऽऽारा अवकाश कऽ कटौती कऽ जाती है, उसे कुलपित के

ंविवेक पर एक माह से

कम का याऽा भूा ंवीकृत होगा।

सामाउय मागऽदशऽक िसंांत

- i. विद्युतीय सहायता के साथ एक सम्मेलन/ सेमीनार/ कार्यशाला आदि मध्य उपस्थित शिक्षक द्वारा यूजीसी के “अनअसाइंड
 “टाइम्स” योजना, उसके नियमों का अनुसरण किया जाएगा।
- ii. अनअसाइंड टाइम्स के अलावा विविध विभागों के फाइल मध्य से सम्मेलन/सेमीनार/कार्यशाला मध्य शामिल होने के लिए
 मनोनीत/नियुक्त शिक्षक के संबंध मध्य, सर्वोच्च अधिकारी द्वारा अनुमोदन के लिए शिक्षक के
 निम्नलिखित मामलों पर विचार
 किया जाएगा:
- ए. एक शिक्षक जो सम्मेलन/ बैठक/ खंड आदि का अध्यक्ष या सभापति के रूप मध्य मनोनीत या
 चयनित है।
- बी. एक शिक्षक जिसके पेपर सम्मेलन/सेमीनार पर प्रस्तुत होने के लिए प्रेषित हो गये ह।
- सी. यात्रा भ्रम एवं विराम भ्रम वास्तविक यात्रा व्यय से अधिक नहल होने चाहिए लेकन
 असाधारण परिस्थितियों मध्य
- ऐसा दावे पर कुलपित द्वारा विचार किया जा सकता है।
- डी. शैक्षणिक प्रमाण/ वार्षिक कार्य यात्रा पर, दरयायती दर पर रेलवे द्वारा प्रेषित होगा, जहाँ
 ऐसी दरयायत रेलवे
 विनियमों के तहत या प्लास के द्वारा जिसका प्रमाण पत्र पदम वेतन के अनुसार प्राप्त है, के
 तहत प्रेषित होगी।
- ई. सर्वोच्च अधिकारी एक शिक्षक को यात्रा आदि पर जाने क\$ अनुमित देकर उसे अधिकतम
 तीस हदन के अविध के लिए
 उसके यात्रा व्यय को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रेषित करेगा। कुलपित क\$ विशेष
 प्रेषित के तहत प्रेषित
- अतिरिक्त के अलावा दूसरा अतिरिक्त प्रेषित नहल होगा, जब तक तक पहले अतिरिक्त का खाता
 विस्तृत नहल हो
 जाता।
- एफ. टी.ए. बिबल यात्रा क\$ समाप्ति के एक माह के भीतर प्रस्तुत होने चाहिए। अतिरिक्त से बाहर का शेष,
 यद हो, तुरंत

लौटा देना चाहिए। जब तक कुलपित कऽ ंवीकृति न हो, ढकसी ्र िका याा एवं िवराम भका जत होगा तथा

याग ढकया जाना माना जाएगा, यढद उा दावा उस ितिथ से िजस पर वह देय है, छः माह के भीतर अधिमानित नहढ ढकया हो।

जी. टी.ए. िनयमा के संशोधनो के पढरणामंवरप या पूवकापी ंभाव से ंोति/अलम वेतनवृि, देरी से

ंाधिकरण/वृि के आहरण को छोडकर, उसकऽ ंवीकृति के पढरणामंवरप, एक बार आहढरत एवं ंवीकृत आ

याा एवं िवराम भका संशोधित होगा।

एच. अधिाता, परीा िनयंक, िवत अधिकारी, कुलसिचव एवं पुंतकालयायँ ंवयं के िनयंण अधिकारी हगे। वे

उनके साथ कायढरत ंटाफ के मामले मऽ िनयंण अधिकारी भी हगे।

iii. एक िनयंण अधिकारी का यह कतढा होगा ढक एक हंताढरत या ंतिहंताढरत याा भका िबलः

ए. देखना ढक िवराम अनावयक एवं लचीला नहढ हो,

बी. संतुहोना ढक रेल ंारा याा के िलए याा भके का वांतव मऽ ंयोग ढकए गए आवास कऽ ंणी का दावा ढकया

गया है।

सी. अय िनदश जो ढक कुलसिचव या कुलपित ंारा उसके ढदशा-िदश हेतु ढदए गए है, उनका िनरीण करना।

िनयंण अधिकारी, उसके मत मऽ, उपरो शत के पूरा नहढ होने पर ढकसी दावे को अंवीकृत कर सकता है।

iv. िनयंण अधिकारी ढकसी ि को साधन ढकराए पर लेने कऽ वांतवक लागत के आहरण कऽ अनुमित, िविंालय

के िहत मऽ मुायालय से 8 ढक.मी. कऽ पढरिध के भीतर कऽ गयी याा के संबंध मऽ अधिकतम नीचे ढदए गए पैमाने तक दे

सकता है, जब एक ंटाफ कार/ िविंालय का साधन उपलुध न हो एवं कोई याा ंवीकायढ न हो।

नोट 1: वाहन का ठकराया क\$ ॐतिपूत॑ण सामा॑यतः बस के ठकराए क\$ होगी, य॑द ॐमण ठकया जाने वाला ठथान साव॑णजिनक

प॑रवहन से जुड़ा षुआ हो। य॑द ऐसे माग॑ण हेतु अ॑य वाहन को ठकराए पर िलया जाता है, तो ठकराए के ॐभार क\$ ॐतिपूत॑ण

िव॑दु अधिकारी, अधि॑ता एवं कुलसिचव के ॐमाण-पू पर होगी ठक वि॑वि॒वालय के िहत म॑ या ता॑का॒लिकता के कारण

ऐसा वाहन ठकराए पर लेना आव॑यक था। य॑द उ॒ ॐमण ठकया जाने वाला ठथान साव॑णजिनक प॑रवहन से नह॑ जुड़ा हो तो ँकूटर ठकराया ठदया जा सकता है।

नोट 2: य॑द एक संब॑धित ि॒ ॐतिपूत॑ण अवकाश या कत॑ण के उ॒ेय, िजसके िलए या॒ा क\$ आव॑यकता थी, के िलए

कोई वि॑शेष पा॑र॒मिक ॐा॒ करता है तो या॒ा के संब॑ध म॑ वाहन खच॑ण का ॐतिपूरण नह॑ होगा। हालांठक, जहाँ एक ॒

ि॒

उसके िनवास से पुनः काया॑णलय म॑ बुलाया जाता है तो िनयं॒ण अधिकारी उसे ँवीकाय॑ण समयोप॑र भ॑े के साथ वाहन खच॑ण

क\$ ॐतिपूत॑ण करेगा।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

19

नोट 3: एक ि॒ के मामले म॑ सहायक या समतु॑य र.क से नीचे है तो उसे वाहन खच॑ण ठदया जा सकता है, य॑द उसे अपने

कत॑ण के सामा॑य घ॒ाट के बाहर काया॑णलय म॑ आने क\$ आव॑यकता है तथा वह कोई वि॑शेष पा॑र॒मिक/समयोप॑र भ॑ा

ॐा॒ नह॑ करता है।

नोट 4: जब एक ि॒, एक ा॒लास िजसके िलए वह पा॒ है, उससे कम ा॒लास म॑ या॒ा करता है तो वह उस पू॒तिपूत॑ण का

पा॒ होगा, जो ा॒लास उसने वां॑तव म॑ ॐयोग क\$ है।

अनुसूची (डी.ए. दर)

पदक्रम वेतन (1)	दैनिक भत्ता
अधिकारी पदक्रम वेतन रुपये 10000 या अधिक आह्वरत करता है एवं निजनका पदक्रम पन्नाली व अधिक है	होटल निवास/गेट हाऊस क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 5000 प्रति दिन / शहर के भीतर यात्रा के लिए वातानुकूलित टैक्सी चभार क\$
अधिकारी पदक्रम वेतन रुपये 7600 से 9000 आह्वरत करता है	होटल निवास/गेट हाऊस क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 3000 प्रति दिन / शहर के भीतर यात्रा के लिए नॉन ए सी टैक्सी चभार क\$ प्रतिपूतभ्ता
अधिकारी पदक्रम वेतन रुपये 5400 से 7000 आह्वरत करता है	होटल निवास/गेट हाऊस क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 1500 प्रति दिन / शहर के भीतर यात्रा के लिए टैक्सी चभार क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 150
अधिकारी पदक्रम वेतन रुपये 4200 से 4800 आह्वरत करता है	होटल निवास/गेट हाऊस क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 500 प्रति दिन / शहर के भीतर यात्रा के लिए टैक्सी चभार क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 100
अधिकारी पदक्रम वेतन रुपये 4200 से कम आह्वरत करता है	होटल निवास/गेट हाऊस क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 300 प्रति दिन / शहर के भीतर यात्रा के लिए टैक्सी चभार क\$ प्रतिपूतभ्ता रुपये 50

इस अण्पादेश मऱ कुछ भी निहित होने पर भारत सरकार के समय समय पर नियम के अनुसार कायभ्ता ठकया जाएगा।

अण्पादेश 33

अधिराता, छात्र कऱयाण क\$ शिष्य एवं काय से संबंधित अण्पादेश

(संविध के 36(1), अधिनयम के खण्ड 28(1)(आई) व (ओ))

1. अधिराता, छात्र कऱयाण (डीएसड १५यू) कर्क के बाहर विवास्थभ्ता के सामाऱय कऱयाण पर णयान देगा जो उनके

िषव क\$

संवृि एवं विकास मऱ योगदान करती है। डीएसड १५यू विवास्थभ्ता के मण्प, उपयोगी बौिक, सामाजिक, सांकृतिक एवं

विजिविालय मऱ सामूहिक जीवन के माण्पम से उनके उर्ेय के संपूणभ्ता अहसास क\$ समझ को बढ़ावा देने का

चयास करेगा।

2. डीएसड १५यू सभी चभारित मामल मऱ कुलपित क\$ सहायता करेगा तथा कुलपित ढरारा डीएसड १५यू को सपि गयी शिष का

चयोग एवं अऱय कतभ्ता का निपुादन करेगा।

3. अउय कतङ्गण के अतऱर, डीएसड १५ यू अउय संबंढित अधिकाऱरय तथा िवर्िविवालय कऱ इकाईय के साथ परामशङ्गण एवं समउवयन

कर िनर्िलिखत मामल के संबंढ मऱ कतङ्गण एवं काय का िनर्ुपादन करेगा:

- i. शैर्ुणिक ँमण एवं पयङ्गणटन एवं िवर्िविवालय के बाहर खेल-कूद गितिविधय मऱ भाग लेने कऱ ्र वंथा करना,
- ii. छाऱु भागीदारी के साथ सामाजिक एवं सांर्ुकृति गितिविधयँ आयोजित करना,
- iii. िवर्िविवालय मऱ छाऱु िनकाय सिहत छाऱु संघ का आयोजन एवं उनके कामकाज आयोजित करना,
- iv. छाऱु-िशर्िक संबंढ,
- v. देश अथवा िवदेश मऱ आगे कऱ पढाई के िलए अय्येतावृि या छाऱुवृि सुरिर्त रखना,
- vi. वाऱंय एवं िचठकंसकऱय सेवाएं,
- vii. िवर्ाथट परामशङ्गण,
- viii. मिहला िवर्ाथट एवं ऱदुांग िवर्ाथङ्गणय को िवशेष ्र वंथा, जो भी हो, ँदान करना,
- ix. िवर्िविवालय ँशासन एवं िवर्ाथङ्गणय के मय्य मेल जोल,
- x. िवर्ाथट सूचना सेवाएं,
- xi. पूवङ्गण छाऱु संघ, एवं अभभावक-िशर्िक संघ
- xii. कुलपित ँऱा सपे गए ँमाण पऱु जारी एवं अधिकृत करना

4. डीएसड १५ यू िवर्िविवालय मऱ ँयेक छाऱु के पंजीकरण कऱ ितिथ से, आवंयक िववरण का संधारण करेगा।

5. डीएसड १५ यू कुलपित के िनयंण के तहत कायङ्गण करेगा एवं िवर्ाथङ्गणय व िवर्ाथङ्गणय के मामल मऱ शािमल अनुशासन सिमित व अउय सिमित का एक सदंय होगा।

6. डीएसड १५ यू कुलपित को िवर्ाथङ्गणय के ऐसे मामले ऱरपोटङ्गण करेगा िजनमऱ िवशेष ययान आवंयक है या िजनके आचरण एवं अउय

गितिविधय िवर्िविवालय के सवकुम िहत मऱ नहऱ है या िजनसे िवर्िविवालय मऱ उनकऱ िनरंतरता से लाभ कऱ कोई संभावना नहऱ है।

अ॥यादेश 34

वि॥वि॥ालय के कम॥का॥रय क॥ आचार संहिता से संबंधित अ॥यादेश

(अधिनयम के ख॥ड 6(1)(xxi), एवं 43(3))

1. वि॥वि॥ालय अधिनयम एवं संविध के आधार पर, केरल के ३००ीय वि॥वि॥ालय के सभी कम॥का॥रय के लिए, समय-समय पर

संशोधित स॥ल सिसिवल सवटसस(क॥ड॥ट) नियम एवं सीसीएस (सीसीए) नियम जैसा ढक तैसा लागू होगा ।

2. अपवादी ख॥ड एवं ००ारंभ: यह अ॥यादेश 15 जनवरी 2009 (के ३००ीय वि॥वि॥ालय अधिनयम, 2009 के ००ारंभ से) लागू होना

माना जाएगा तथा इस अ॥यादेश के विषय पर ढकए गए सभी काय॥ इस अ॥यादेश के संदभ॥ म॥ होने माने जाएंगे।

अ॥यादेश 35

खेल व खेलकूद समित से संबंधित अ॥यादेश

(अधिनयम क॥ धारा 28 (1))

1.

- i. खेल व खेलकूद समित नि॥लिखत सद॥य से ढिमलकर होगी, जो है:

अ) अ॥य०, कुलपित ढ॥रारा नियु॥

ब) अधि॥ाता, छा॥ क॥याण

स) वि॥भू खेल व खेलकूद ढलब॥ के अ॥य०

द) एक वष॥ क॥ अविध के लिए, अ॥य० ढ॥रारा मनो॥नित, रोल म॥ उ॥लेखित वि॥ा॥थ॥य॥ म॥ से एक उ०कृ॥खलाड़ी।

(1) शारी॥रक ढिश००ा के ढिनदेशक, जो खेल और खेलकूद समित के पदेन सिचव ह॥गे।

- ii. समित के अ॥य०, दो वष॥ क॥ अविध के लिए पद पर बने रह॥गे।

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

21

2. समित करेगी:

- i. वि॥वि॥ालय के खेल और खेलकूद क॥ ॥ व०था और ढिनगरानी करना ।
- ii. तथा संबंधित अधिनयम बनाना,
- iii. खेल और खेलकूद के लिए बजट तैयार करना,

- (अधिनियम के खण्ड 2(जी), 28(1)(ओ) एवं 43(3))

5. संकाय सिमित कऽ शि०याँ होगी -

- i. विभाग कऽ ०२शासिनक नी०तय० एवं शै०िणिक गितिविधय० पर िनण०णय करना,
- ii. व०थ सहमितय० के मा०यम से शै०िणिक/ िशै०ण काय०ण, आधारभूत सु०विधा०, सामा०य उ०रदा०य०य० को बांटना,
- iii. िविनयम० ँन०रा उन मामल० म० िनधा०ण०रत िवक०प आधा०रत ँने०डिट ०२णाली लागू करना,
- iv. िनरंतर एवं अ०तिम सेमे०टर मू०यांकन के िलए प०ति पर िनण०णय लेना,
- v. अ०तिम सेमे०टर परी०ा० के पू०ात् गे०रड िन्नि०त करना,
- vi. उ० ०२ा०धिकरण को ०२तुत करने के िलए विभाग० के नए या वत०णमान म० संचा०लित शै०िणिक काय०ण०म० के पा००म, काय०ण०म तैयार करना,
- vii. ०२ा०धिकारी को ०२तुत करने के िलए विभाग के शै०िणिक ०२ताव तैयार करना
- viii. परी०ा० के संचालन के िलए िवशेष०ी० का पैनल तैयार करना,
- ix. बोड०ण ऑफ़ ँटडीज को नामांकन के िलए िवशेष०ी० के नाम कऽ िसफा०रश करना,
- x. ०२०येक सेमे०टर, विभाग के शै०िणिक काय०ण०म के संचालन कऽ एक बार समी०ा करना,
- xi. कूल के अि०धाता से, बजटीय ०२ावधान० के अधीन, शै०िणिक ०२मण, ँ०े०ीय काय०ण, स०मेलन०, संगो०ि०थ०, काय०णशाला० आ०द के ०२ताव पर परामश०ण करना एवं अनुशंसा करना,
- xii. विभाग के बजट ०२ताव तथा अ०य िवकाय संबं०िध ०२ताव मंजूर करना,
- xiii. िव०ीय िनयम० के अनुसार ँवीकृत बजट के भीतर पुनःउपयु० िनिध रखना,
- xiv. ँपये 15,000 से अधिक या उचित ०२ा०धिकारी ँन०रा समय-समय पर िनधा०ण०रत उ० रा०िश कऽ सीमा के सभी ँय ०२ताव० पर िशफा०रश करना,
- xv. छा० अनुशासन, रै०गंग, परी०ा० कदाचार आ०द से संबं०िधित मामल० कऽ जाँच करना एवं अपने सं०ान म० लाना,
- xvi. विभागा०य० एवं संकाय सिमित के म०य िववाद/ मतभेद को कोई मामला ँकूल के अि०धाता को ०२े०षित करना,

- xvii. आई.यू.ए.सी. को ंतुत होने वाली ढरपोटण पर िवचार करना एवं पूरा करना,
- xviii. अकादिक पढरषद, कायणकारी पढरषद, कुलपित या अधिाता के ढरारा उसे सपे गए कतण् का पालन करना,
- xix. िवभाग के शैिणिक लंय को आगे बढ़ाने के िलए आवंयक समझे जाने वाले अउय कतण् िनभाना बैठकः
6. संकाय सिमित कऱ बैठक सामाउयतः कम से कम ंयेक माह मः एक होगी।
7. अण्यै ढरारा एजेण्डे का िनधाणरण ढकया जाएगा तथा िनयिमत बैठक के होने के पाँच कायणढदवस पूवण तथा िवशेष बैठक के होने के
- तीन कायणढदवस पूवण, सभी शैिणिक को बैठक के आयोजन ंथल/ बैठक का समय एवं एजेण्डे कऱ िवषय-वंतु का उलेख करते ंए नोढटस जारी करेगा।
8. बैठक के कम से कम एक ढदन पूवण सदंय को पूवण नोढटस एजेण्डे के साथ तामिल ढकया जाएगा। हालांढक
- आपातकालीन िंथित मः
- अण्यै िबना पूवण नोढटस के बैठक बुला सकता है।
9. सिमित कऱ ढकसी बैठक के िलए गणपूतण दो (02) होगी अथवा िवभाग मः एक-ितहाई संकाय कऱ संया (जो लंबे अवकाश पर है, को छोड़कर), जो भी अधिक हो, होगी।
10. सिचव, अण्यै के साथ परामशण कर सिमित के कायणवृढ तैयार करेगा।
11. सिमित कऱ बैठक मः उपिंथत सभी सदंय कायणवृढ पर अपने हंताँर अंढकत करणगे।
12. सिचव बैठक होने के पाँच कायणढदवस के भीतर सिमित के सभी सदंय (चाहे वे बैठक मः उपिंथत हो या न हो) को
- कायणवृढ कऱ
- हंताँरढरत ंतिलिप उपलढ्ध कराएगा।
- िवशेष बैठक
13. ढकसी भी समय, एक िवभाग मः संकाय के एक ितहाई ंथायी सदंय (जो लंबे अवकाश पर है, को छोड़कर) एक िविश-
- एजेण्डे कऱ
- िवषय-वंतु पर सिमित कऱ िविश-बैठक के िलए अनुरोध कर सकते ह.।

14. ऐसा अनुरोध, अण्यो को ुतुत करना होगा, जो ठक बैठक कऽ ितिथ/ समय िनधाऱुहरत करेगा तथा यथोचित नोटस जारी करने के िलए सिचव को िनदऱुशित करेगा।

15. ऐसी बैठक मऽ ऐजेड मऽ िनदऱुशित मामले के अलावा कुछ भी िवचार नहऱु ठकया जाएगा।

16. इस अण्यदेश मऽ िनिहत कुछ भी होने के बावजूद, कुलपित, इस अण्यदेश के ुवधान के कायाऱुवयन के समी आने वाली कोई भी िवसंगितय या कऱुठनाईय को दूर करने के िलए िवऱुवऱुलय के उपयु ुवऱुधिकाऱुय के अनुमोदन के साथ ुवऱुधकृत होगा।

17. अपवादी खऱुड एवं ुवऱुरंभः यह अण्यदेश 15 जनवरी 2009 (केऱुीय िवऱुवऱुलय अधिनयम, 2009 के ुवऱुरंभ से) लागू होना माना जाएगा तथा इस अण्यदेश के िवषय पर ठकए गए सभी कायऱु इस अण्यदेश के संदभऱु मऽ होने माने जाएंगे।

डॉ. ए. राधाकृ णन नायर, कुलसिचव

[िवीापन III/4/असा./29/17]

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

23

CENTRAL UNIVERSITY OF KERALA

(Established under the Act of Parliament in 2009)

NOTIFICATION

Kasaragad, the 21st April, 2017

No. CUK/REG/DO/4/2017.—The following is published for general information.—

(Approved by the 2nd EC at its 16th Meeting held on 24-05-2016)

ORDINANCE – 3

DEAN OF SCHOOL OF STUDIES

[Section 13 and 43(3) of the Act read with Statutes 5 (3)]

1. The Dean of the School shall be the Head of the School and shall be responsible for the conduct and maintenance of the standards of teaching and research in the School.

2. The Dean shall

- i. be the chairperson of the School Board and the Departmental Research Committee.
- ii. have the right to present and to speak at any meetings of the Departments/Centre/Board of Studies or Committee of the School, as the case may be, but shall not have the right to vote there at unless he/she is a member thereof.
- iii. Co-ordinate and generally supervise the teaching and research work in the School through the Head of Departments/Centers;
- iv. take steps to promote interdisciplinary teaching and research whenever necessary and maintain discipline in the school through the Heads of Departments/Centers;
- v. keep a record of the evaluation of sessional work and the attendance of the students at lectures, tutorials or seminars or Practicals whenever these are prescribed;
- vi. arrange for the examinations of the University in respect of the students of the School in accordance

- with such directions as may be given by the School Board (of School of Studies) or the Academic Council and in co-operation with Controller of Examinations;
- vii. convene and preside over the meetings of the Board of the School and keep the minutes of the meetings of the Board;
- viii. take steps to give effect to the decisions and recommendations of the school and perform such other duties as may be assigned to him/her by Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor.
- ix. be expected to work without prejudice and bias and shall not identify himself with any Group or Association. A Dean cannot hold the office of the Teachers Association in any executive capacity.
- x. be responsible to collect and compile the Annual Report of their Schools in the prescribed format for final compilation by the University for printing and submission to Parliament after due approval of the University bodies.
- xi. Perform any function deemed necessary for the furtherance of academic pursuits of the School or its constituent academic units
- xii. Perform any other function that may be prescribed by the Act, the Statutes, Ordinances and Regulations
- xiii. Competent to accord permission to students admitted to a regular full time programme in the University who may submit applications, supported by documentary evidence to the Dean concerned, to pursue part-time evening certificate/Diploma Programmes meant for professional/skill development
3. All HOD's are expected to fully co-operate with the Deans and support them as a team for smooth functioning of the Departments and the School.
4. A non-performing Dean or a person with moral turpitude shall not be appointed as Dean and he can be replaced at any time of the tenure on contemplation of disciplinary proceedings.
5. These regulations on the duties and responsibilities of Deans are laid to ensure that a constructive competition among the Schools enhances overall quality of Teaching and Research.
6. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor shall have the authority to take suitable action to remove anomalies or difficulties, if any, faced in the implementation of the provisions of this Ordinance with the approval of the appropriate authorities of the University.
7. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance.

ORDINANCE 5

ON POST-GRADUATE BOARDS OF STUDIES

[Section (23) and 43(3) read with Statute (16)]

Constitution

1. There shall be a Post-graduate Board of Studies for every Post-graduate Department of the University.
2. The Board of Studies shall consist of the following members:
 - i. The Head of the Department
 - ii. All Professors in the Department
 - iii. Two Associate Professors and one Assistant Professor from the Department concerned, by rotation according to seniority, nominated by the Vice-Chancellor
 - iv. One member of faculty from another Department within the School, nominated by the Vice-Chancellor
 - v. Not more than four persons, with expertise and special knowledge in the discipline of the Department, nominated by the Vice-Chancellor, considering the panel of senior academicians / external experts from state / national institutions of teaching/ research or reputed R&D establishments, proposed by HoD.
3. The Head of the Department shall be the Chairperson of the Board.
4. The Chairperson shall have powers to co-opt experts, as Special Invitees, to attend specific meetings of the Board, as and when necessary, with the prior permission of the Vice-Chancellor

5. The term of office of the members of the Board of Studies shall be for a period of three years and they shall be eligible for re-nomination.

Powers and functions

6. The Board shall have powers to :
- i. consider and decide on proposals from the Faculty Council concerned regarding syllabi/curricula of new or on-going academic programmes;
 - ii. prescribe syllabi, curricula, scheme of examination etc. for new or on-going courses of studies either *suo motu* or based on proposals from the respective Faculty Council;
 - iii. consider and decide on proposals from the Faculty Council concerned on academic activities of the Department;
 - iv. prepare panels of experts as Question paper setters, examiners in subjects under the purview of the Board;
 - v. review academic programmes of the Department concerned and offer suggestions, if any;
 - vi. perform any other function deemed necessary for the furtherance of academic pursuits of the Department concerned;
 - vii. consider and act on any matter referred to it by the Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor;
 - viii. recommend to the School Board measures for the improvement of postgraduate teaching and research in the Department; and
 - ix. perform such other functions as may be assigned to it by the School Board, the Academic Council, the Executive Council or the Vice-Chancellor

Meetings

7. Boards of Studies shall ordinarily meet once in every academic year or as may be required to transact the business before the Board. Provided that the Vice-Chancellor may direct additional meetings to be held as and when necessary.
8. The Chairperson shall decide on the agenda/venue/date of meetings of the Board and shall intimate the members accordingly at least seven clear working days in advance.
9. The Chairperson shall preside over the meetings of the Board. In his absence, the senior-most member shall preside over the meeting.
10. Fractions being ignored, one-third of the members shall constitute the quorum for the meetings of the Board.
11. In case there is no quorum for any meeting, the agenda may be discussed by the members present and the minutes of the discussion circulated among the members, for their approval.
12. The final minutes of all meetings shall be prepared by the Chairperson and a copy shall be sent to members and to the Registrar.
13. The Chairperson shall make available the content of the minutes to the Head of the Department/members of the faculty of the Department concerned in matters that require action by the Faculty Council/the faculty.
14. It shall be open to the Chairperson, in urgent cases, to obtain the opinion of Board of Studies by circulation and to present a report on such opinion at the next meeting of the Board. Such opinion along with the action taken thereon shall be communicated to all members of the Board.

Joint Meetings

15. A joint meeting of two or more Boards may be held, when the Vice-Chancellor or the Academic Council so directs, for the disposal of any question affecting those Boards. The Vice-Chancellor shall nominate the Chairperson of such joint meetings and he shall note the minutes and the pursue the follow up.
16. The quorum for a joint meeting of two or more Boards shall be one-third of the total members in those Boards, fractions being ignored, and no member being counted more than once.
17. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor shall have the authority to take suitable action to remove anomalies or difficulties, if any, faced in the implementation of the provisions of this Ordinance with the approval of the appropriate Authorities of the University.

18. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

ORDINANCE 7

ON ADMISSION OF STUDENTS TO THE UNIVERSITY

[Sections 6(1)(xviii), 28(1)(a) read with 43(3) of the Act]

Eligibility

1. Without prejudice to the provisions of the Act, the Statutes, the Ordinances, the Regulations and the Rules of the University, no student shall be eligible for admission to any under-graduate or post-graduate programme of study in the University unless he has passed the examination or examinations prescribed by the University for admission to the respective academic programme.
2. The minimum qualification for admission to various academic programmes shall be prescribed through the Regulations from time to time.
3. The mode of application for admission to the various academic programmes offered by the University shall be as prescribed by the University from time to time.
4. Admission Committees constituted by the Vice-Chancellor shall oversee and regulate all matters regarding admission of students to the academic programmes of the University, except for the Ph. D. programme for which admissions shall be made in accordance with the specific regulations in the matter.
5. Applications for admission to the University shall be made in such manner and form, and within the last date prescribed in respect of each academic programme by the Admission Committee.
6. The Vice-Chancellor, in consultation with the Admission Committee, shall decide on the admission schedule including the dates of admission tests and interview, if any.
7. The processing of admission in respect of the academic programmes may be carried out by the Admission Committee as per the procedure prescribed and the list of candidates recommended for admission shall be forwarded to the Vice-Chancellor for approval.
8. All admissions shall be provisional in the first instance and may be finalized within a time limit as may be fixed by the Vice-Chancellor. No candidate shall claim admission as a matter of right.
9. Admission of foreign nationals shall be regulated by the Centre for International Cooperation in the University in accordance with appropriate guidelines of Government of India.
10. Provisional degree certificates shall be deemed sufficient for admission to the academic programmes of the University.
11. Original mark lists of qualifying examination, however, shall be a necessary requirement for grant of admission.
12. Reservations in student admission shall be made in accordance with the reservation policy of Government of India as communicated by UGC from time to time.
13. No student shall be admitted to more than one regular, full-time programme at a time.
14. However, students admitted to a regular, full-time programme in the University may submit applications, supported by documentary evidence, to the Dean concerned, for permission to pursue part-time evening Certificate/Diploma programmes meant for professional/skill development. The Dean shall have the powers to take a decision considering all aspects of the matter.
15. If a student admitted to a programme is found medically unfit to pursue the programme, his admission shall stand cancelled. This will not be generally applicable to Differently Abled Categories.
16. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor shall have the authority to take suitable action to remove anomalies or difficulties, if any, faced in the implementation of the provisions of this Ordinance with the approval of the appropriate Authorities of the University.
17. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

ORDINANCE 8

ON MIGRATION AND TRANSFER OF CREDITS

[Sections 6(1)(x),(xxvi) and 28(1)(a)]

Students from other Universities

1. Students from other Universities seeking admission in this University may be admitted to a corresponding academic programme of this University at the discretion of this University and subject to satisfactory compliance with regulations in the matter, provided :

- i. they produce, from the Head of the Institution last attended, a certificate stating that they have earned the necessary attendance and progress as prescribed by the University concerned till the date of their leaving that institution, a Transfer Certificate and a Certificate of Character/Conduct;
- ii. they produce, along with their application, documentary evidence of having passed all the examinations prescribed by the parent University for the duration of the course of study already put in;
- iii. they produce, along with their application, documentary evidence of the credits earned by them for the core/elective courses undergone in the parent University along with a Certificate from the competent authority of the parent University authorizing transfer of such credits to this University;

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

27

- iv. the Dean of the School concerned in this University is convinced that such credits earned and authorized for transfer to this University meet the credit requirements for the completion of the programme in this University as per regulations in the matter;
- v. they shall pay the prescribed fees for such migration to the University;
- vi. they shall undergo the remaining courses of study and pass the examinations prescribed for academic programme of this University to which they have sought admission and shall satisfactorily fulfill such other requirements as may be prescribed by this University.

Students of this University

2. Students admitted to an academic programme in a School/ Department of this University may be permitted to do relevant courses in other Universities with the approval of the Head of the Department and Dean of School concerned and the credits so earned may be reckoned to meet their credit requirements in this University, provided the total number of credits so earned will not be more than 20% (rounded to the nearest integer) credits prescribed for completion of the programme in this University.

Normalization of grades

3. Separate regulations/rules may be prescribed for the normalization of grades, if required, for awarding final grades.
4. Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor shall have the authority to take suitable action to remove anomalies or difficulties, if any, faced in the implementation of the provisions of this Ordinance with the approval of the appropriate Authorities of the University.
5. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

ORDINANCE – 10**EQUIVALENCE COMMITTEE FOR RECOGNITION OF EXAMINATIONS/DEGREE***[Under Section 28 (1) (o) and 43(3) of the Act, 2009]*

1.0 There shall be an Equivalence Committee consisting of the Deans of all Schools and the Controller of Examinations. A Dean nominated by the Vice-Chancellor shall be the Chairman of the Committee. The functions of this Committee shall be as under:

2.0

- i. To recognize the examinations conducted by other Universities and Degrees awarded by them for the purpose of admission/employment in Central University of Kerala;
- ii. To decide all matters of equivalence of such examinations/degrees as may be referred to it from time to time including those of foreign Universities;
- iii. To withhold, suspend or cancel recognition to any examination/degree for such reasons and such time as it may deem fit; and
- iv. While considering the cases of equivalence and or recognition, the Committee may go through the syllabi, curriculum, etc. and may either have the views/opinions of the Chairperson/Dean concerned or may seek

clarification, for which purpose the Equivalence Committee may request the Chairperson of the Department/Centre concerned to attend its meeting as a special invitee.

3.0 The Committee shall frame the rules of business and lay down guidelines for consideration and approval of the Academic Council. The Academic Council may delegate any of its powers, in this behalf, to the Equivalence Committee.

4.0 Notwithstanding any of the clauses above, the Vice-Chancellor may grant recognition/equivalence to any examination degree and action taken by the Vice-Chancellor shall be reported to the Equivalence Committee at its next meeting and presented to the Academic Council for ratification.

5.0 Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance.

ORDINANCE – 14

DISCIPLINE OF STUDENTS

[43(3) of the Act read with Statutes 28 and 31]

Of University Students 1. All powers relating to discipline and disciplinary action in relation to students of the University shall vest in the Vice-Chancellor and the Vice-Chancellor may delegate the power to the Registrar, proctor as the case may be.

2. All disciplinary action in relation to the students of the University shall be taken in accordance with the procedure outlined in the Act and regulations made from time to time.

3. All acts unbecoming of a student of the University would make such student (s) liable for disciplinary action.

4. There shall be a Discipline Committee to be constituted by the Vice-Chancellor which shall perform such functions and exercise such powers as may be delegated to it by the Vice-Chancellor from time to time and such discipline Committee shall submit its report on every matter to the Vice-Chancellor for appropriate action.

5. Campus rules and Hostel rules complying with UGC guidelines and judicial verdicts shall be framed and implemented by the University.

6. PROHIBITION AND PUNISHMENT FOR RAGGING

i. Ragging for the purpose of this Ordinance, ordinarily means any act, conduct or practice by which dominant power or status of senior students is brought to bear on students freshly enrolled or students who are in any way considered junior or inferior by other students and includes individual or collective acts or practices which

a. Involve physical assault or threat to use of physical force;

b. Violate the status, dignity and honour of women students;

c. Violate the status, dignity and honour of students belonging to the scheduled castes and tribes;

d. Expose students ridicule and contempt and affect their self-esteem;

e. Entail verbal abuse and aggression, indecent gestures and obscene behavior.

ii. Any individual or collective act or practice of ragging constitutes gross indiscipline and shall be dealt under the provisions of this Ordinance.

iii. Ragging in any form be strictly prohibited, within the premises of Department or School and any part of the University system as well as on public transport.

iv. The Head of the department of the University or the warden of the University hostel shall take immediate action on any information of the occurrence of ragging and submit a report on the incident to the anti-ragging cell for follow up action.

v. The concerned authority mentioned in Para 6 (4) above may also conduct *sou moto* enquiry into any incident of ragging and make a report to the Vice-Chancellor of the identity of those who have indulged in ragging and the nature of the incident and the Vice-Chancellor may take appropriate action.

vi. If the Head of the Department or the authorities of University hostel is satisfied that for some reason, to be recorded in writing, it is not reasonably practical to hold such an enquiry, he/she may so advise the Vice-Chancellor accordingly and the Vice-Chancellor may take appropriate action.

vii. When the Vice-Chancellor is satisfied that it is not expedient to hold such an enquiry, he/she may take a decision based on the available facts and circumstances and that his/her decision shall be final.

viii. On the receipt of a report under Clause 6(4) or 6 (5) or a determination by the relevant authority under Clause 6 (6) disclosing the occurrence of ragging incidents described in Clause 6 (1), the Vice-Chancellor shall direct or order rustication of a student or students for a specific number of years.

ix. The Vice-Chancellor may in other cases of ragging order or direct that any student or students be expelled or be not for a stated period, admitted to a course of study in a departmental examination for one or more years or that the results of the student or students concerned in the examination or examinations in which they appeared be cancelled.

x. In case, any student who has obtained degrees of Central University of Kerala are found guilty under this Ordinance, appropriate action under Statute 15 for withdrawal of degrees conferred by the University shall be initiated.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

29

xi. For the purpose of this Ordinance, abetment to ragging whether by way of any act, practice or incitement of ragging will also amount to ragging.

xii. All institutions within the Central University of Kerala shall be obligated to carry out instructions/directions issued under this Ordinance, and to extend assistance to the Vice-Chancellor to achieve the effective implementation of the Ordinance.

xiii. Notwithstanding the clauses above, the University will follow, the latest instructions of UGC and legislations on the subject by the State and Central Government.

7.Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

ORDINANCE – 17

DISCIPLINE AMONG STUDENTS IN UNIVERSITY EXAMINATIONS

[Section 8(5) of the statute Act 28 (4) of the statute]

1. UNIVERSITY END SEMESTER EXAMINATIONS

i. The end semester examinations shall be held under the general supervision of the head of the department and by the faculty members concerned. He/she shall be responsible for the fair and orderly conduct of the examination.

ii. Ordinarily the HoD will be the chief superintendent of the centre but in exceptional circumstances another senior faculty can be appointed as chief superintendent by the Controller of Examinations.

iii. In case of detection of unfair means, the same shall be brought to the notice of head of the department concerned who shall submit a full report of the same to the Dean concerned for further action specified under clause 5 of the general guidelines below.

iv. Further the Dean of the School may constitute a examination supervisory committee which will conduct inspection to prevent and detect fraud and malpractice in the examinations. In case of detection of any fraud or malpractice in such inspection the Dean may proceed without waiting for the report of HoD/the Chief Superintendent of the centre.

2. PREVENTION OF UNFAIR MEANS IN EXAMINATION

i. Every day, before an examination begins, the invigilators shall call upon all the candidates to search their seats, tables, desks, etc. and ask them to hand over all papers, books, notes or other reference material which they are not allowed to have in possession or accessible to them in the examination hall. When a late-comer (not beyond 30 minutes) is admitted this instruction shall be repeated to him at the time of entrance to the examination hall. It is also to be ensured that each candidate has his/her identification card and hall ticket with him/her.

ii. A candidate shall not use unfair means in connection with any examination. The following among other wrongs shall be deemed to unfair means:

a. Found in possession of incriminating material related including electronic gadgets related /unrelated to the subject of the examination concerned.

b. Found copying either from the possessed material or from a neighbour.

c. Inter-changing of answer scripts.

d. Change of seats for copying.

e. Trying to help other candidates.

f. Found consulting neighbours.

g. Exchange of answer sheets or relevant materials.

h. Writing some other candidate's register number in the main answer paper.

i. Insertion of pre-written answer sheets (Main sheets or Additional sheets).

j. Threatening the invigilator or insubordinate behaviour as reported by the Chief Superintendent and/or Hall Superintendent.

k. Consulting the invigilator for answering the questions in the examination.

l. Cases of impersonation.

m. Mass copying.

- iii. The Executive Council may declare any other act of omission or commission to be unfair means in respect of any or all the examination.
- iv. If the Vice-Chancellor is convinced that there has been mass-scale copying or use of unfair means a mass-scale at particular centre (s), he/she may cancel the examination of all the candidates concerned and order re-examination.

NOTE: Where the invigilator in-charge is convinced that one third (1/3) or more students were involved in using unfair-means or copying in a particular Examination Hall, it shall be deemed to be a case of mass copying.

3. **GENERAL GUIDELINES - ENTRANCE EXAMINATIONS& SEMESTER EXAMINATIONS**

- i. During an entrance examination, the candidates shall be under the disciplinary control of the chief superintendent of the centre who shall issue the necessary instructions for the fair and orderly conduct of examination. If a candidate disobeys instructions or misbehaves with any member of the supervisory staff or with any of the invigilators at the centre, he/she may be expelled from the examination for that session.
- ii. The chief superintendent shall immediately report the facts of such a case with full details of evidence to the controller of examinations who will refer the matter to the examination discipline committee in terms of clause 4 of general guidelines below. The committee will make recommendations for disciplinary action as it may deem fit to the Vice-Chancellor as provided under clause 7.

4. **GENERAL GUIDELINES- SEMESTER EXAMINATIONS**

- i. The Chief superintendent of the examination centre/Head of the Department shall report to the Controller of Examinations without delay and on the day of occurrence if possible, each case where use of unfair means in the examination is suspected or discovered with full details of the evidence in support thereof and statement of the candidate concerned, if any, on the forms supplied by the Controller of Examinations for the purpose.
- ii. A candidate shall not be forced to give a statement but the fact of his/her having refused to make a statement shall be recorded by the Chief superintendent and shall be got attested by two other members of the supervisory staff on duty at the time of occurrence of the incident.
- iii. A candidate detected or suspected of using unfair means in the examination may be permitted to answer the question paper, but on a separate answer – book. The answer – book in which the use of unfair means is suspected shall be seized by the Chief Superintendent, who shall send both the answer – books to the Controller of Examinations with his report. This will not affect the concerned candidate appearing in the rest of the examinations.
- iv. All cases of use of unfair means shall be reported immediately to the Controller of Examinations by the Centre Superintendent, examiner, paper-setter, evaluator, moderator, tabulator or the person connected with the University examination as the case may be, with all relevant material.

5. **EXAMINATION DISCIPLINE COMMITTEE**

- i. All cases of alleged use of unfair means shall be referred to a Committee called the examination Discipline Committee to be appointed by the Vice-Chancellor.
 - ii. The Committee shall consist of five members drawn from among the teachers and officers of the University. One member will be nominated as chairman from amongst them by the Vice-Chancellor.
 - iii. A member shall be appointed for a term of two years, and shall be eligible for re-appointment.
 - iv. Three members present shall constitute the quorum.
 - v. Ordinarily, all decisions shall be taken by the Committee by simple majority. If members are equally divided the case shall be referred to the Vice-Chancellor, whose decision will be final.
 - vi. All decisions taken by the Examination Discipline Committee will be placed before the Vice-Chancellor for approval.
 - vii. A candidate within one month of the receipt of the decision of the University may appeal to the Vice-Chancellor, in writing for a review of the case. If the Vice-Chancellor is satisfied that the representation merits consideration, he/she may refer the case back to the Examination Discipline Committee for reconsideration.
6. The Examination Discipline Committee may recommend one of the following punishments for cases of unfair means.

Nature of unfair means	Nature of Punishment
If the candidate has used unfair means specified in sub-clause (a) to (g) of Clause 2 (ii)	1.Cancel the University Examination of all subjects registered by the candidate in that session and debar him/her for the next examination session (i.e.

	all University Examinations in the subsequent session).
If the candidate has repeated the unfair means shown at 2 (a) to (g) a second time	2.Cancel the University Examinations of all subjects registered by the candidate for that session and debar him/her for two years from registering and appearing for the University Examinations.
If a candidate used unfair means in sub-clause (h) of Clause 2 (ii)	3.Cancel the University Examinations of all subjects registered by the candidate during that semester only.
If a candidate used unfair means in sub-clause (i) of Clause 2 (ii)	4.Cancel the University Examinations of all subjects registered by the candidate for that session and debar him/her for two subsequent examination sessions.
If the candidate used unfair means in sub-clause (j) of Clause 2 (ii)	5.Cancel the University Examinations of all subjects registered by the candidate for that session and debar him/her for two years from registering and appearing for the University Examinations.
If the candidate used unfair means sub-clause (k) of Clause 2 (ii)	6.Cancel Examinations of the concerned subjects registered by the candidate for that session.
If the candidate used unfair means in sub-clause (l) of Clause 2 (ii)	7.Cancel the University Examinations of all subjects registered by the candidate for that session and debar him/her for two years from registering and appearing for the examination sessions. Moreover, relevant legal actions shall be initiated if an outsider involved.
If the candidate used unfair means in sub-clause (m) of Clause 2 (ii)	8. (a) In the Single Hall: Cancel the relevant examination taken by the students of the Hall. Debar the concerned Hall superintendent and other involved directly or indirectly from the examination work such as invigilation, question paper setting, valuation, etc., for the next six examination sessions. (b) In a Centre: Cancel the relevant examination taken by the students of the Centre. Debar the Hall Superintendents and the Chief Superintendent and other involved directly or indirectly from the examination work such as invigilation, question paper setting, etc., for the next six examination sessions and cancel the examination Centre for two years.

7. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

ORDINANCE – 18

EXAMINERS

[Section 28 (g) and Section 43(3)
of the Act]

- Appointment* 1. The list of the examiners and moderators for all examinations, except for PhD degree, shall be drawn up by the respective faculty councils and submitted to the Controller of Examination.
- The Controller of Examination shall scrutinize the list and forward the same to the VC for approval by the Vice-Chancellor.
2. Appointment of Examiners shall be made by the Vice-Chancellor in accordance with the Rules framed by the Executive Council from time to time for selection and appointment of Examiners.
3. The examiners for PhD degree shall be approved by the Vice-Chancellor as proposed by Research Supervisor in accordance with the PhD. Ordinance and Regulations framed by the Executive Council from time to time for this purpose.
4. The Vice-Chancellor may at any time cancel the appointment of any examiner.
5. The examiners appointed may be of the following categories:
- Examiners (Question paper – setters) who will set the question papers for various examinations;
 - Examiners for the purpose of carrying out valuation of answer books;
 - His/Her duties shall be –
 - To distribute the work of valuation
 - To set standard of valuation
 - To value answer papers
 - To set the papers for and to conduct practical examination, if any;
 - To report upon the result of examinations;
 - To supervise the work of the Examiners; and
 - Such other work as may be assigned to him by the Vice-Chancellor.
 - Examiners shall be appointed for one year and shall be eligible for re-appointment.
 - A list shall be prepared annually by the Faculty Council and Dean to forward to Controller of Examinations showing Those who have been Question Paper-Setters and Examiners subject/ discipline wise.
6. There shall be two Boards of Examiners, one for setting and moderating the question paper (Panel of paper setters) and the other, for valuation of answer books and tabulating the result (Panel of valuers)
- The Board of Examiners shall forward the consolidated results to the Controller of Examinations through HoD and Dean concerned. The Controller of Examinations shall place such consolidated results before the Examination Committee.

*Question
paper
sette
rs*

- 7.
8. a) The course teachers offering the course shall be members of the Board of Examiners as laid down in the Faculty with less than seven years teaching experience in a University/institution to any *Person* not eligible to be examiner ship in Arts (Humanities) law and Science subjects;
- b) Members of the Executive Council except for special reasons which shall be recorded in writing.
9. The remuneration and allowances payable to the Examiners and Chairman of Boards appointed under Clause 2 of this Ordinance shall be as decided by the Executive Council from time to time.
- All examiners shall carry out the instructions which Executive Council may issue from time to time
10. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the

subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

33

ORDINANCE – 19
EXAMINATION
COMMITTEE

*[Section 34 (i) and
43(3) of the Act]*

- | | | | |
|---|-------|--|------------|
| Constitution and | 1. | There shall be an examination Committee in the University. | |
| Composition | 2. | The Committee shall consist of the following persons: | |
| | (i) | The Vice-Chancellor or his nominee | - Chairman |
| | (ii) | Director of Physical Education/sports, | |
| Coordinator National Service Scheme and | | Dean Students Welfare | - Member |
| (Ex-Officio) | (iii) | Three Deans of School, to be nominated by the Vice-Chancellor | - |
| -do- | (iv) | Three Heads of Departments to be nominated by the Vice-Chancellor | - -do- |
| the Academic Council | (v) | Two persons from | |
| | | nominated by Vice-Chancellor | - -do- |
| | (vi) | The Controller of Examinations Secretary (Ex-Officio) | - Member |
| Term of Office | 3. | All the nominated members shall hold office for a period of three years and shall be eligible for re-nomination/re-appointment. | |
| Quorum, | 4. | Four members shall form quorum for a meeting of the Committee. | |
| Powers | 5. | The Committee shall consider the consolidated results forwarded by the various Boards of Examiners, approve and Functions the same and arrange for the declaration of all examination results in the University. | |
| | 6. | The Committee shall have power to award grace grades in deserving cases according to the rules framed in this regard. It shall also serve as an Appellate Committee on all matters relating to examination. | |
| | 7. | The Committee shall submit a report every year to the Academic Council on the working of the University examinations and make recommendations for effecting improvement. | |
| | 8. | The Committee shall also make recommendations regarding disciplinary action to be taken against candidates using unfair means in examinations or contravening in any manner the rules for the conduct of examinations. | |
| | 9. | It shall perform such other duties and functions as may be assigned to it by the Academic Council. Provided that the Examination Committee may delegate any or all of its powers mentioned above to any officer of the University. | |
| | 10. | Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15 th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance. | |

ORDINANCE – 20

AWARD OF DEGREES, DIPLOMAS, CERTIFICATES AND OTHER DISTINCTIONS

[Section 6 [1 (ii), Section 28 (1) (d and 43(3) read with Statutes 26]

- Degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions shall be conferred by the University on students who have been duly certified by Examination Committee to be qualified for such award by the Academic Council.
- The following degrees, diplomas certificate and other distinctions shall be awarded in accordance with the conditions laid down for the same from time to time by an Ordinance or Regulation in each case:

- i. Research Degrees of Doctor of Science, Doctor of Literature, Doctor of Philosophy and Master of Philosophy.
 - ii. Master's Degree in Arts, Science, Commerce, Education, Law, Technology, Medicine and Management Studies.
 - iii. Diplomas and certificates in special areas as approved by the Academic Council and Executive Council from time to time.
 - iv. Gold Medals
 - v. Any other Degree/Diploma/Certificate and Medal/Special distinction introduced from time to time.
3. The Executive Council may, on the recommendation of the Academic Council by a majority of not less than two-thirds of the members present and voting, make proposal to the Visitor for the conferment of honorary degrees:
- Provided that in case of emergency, the Executive Council may on its own, make such proposals.
- The following honorary degrees may be conferred upon a person on the ground that she/he is, by reason of eminent position and attainments or by virtue of his/her contribution to learning or eminent services to the cause of Education or Society, a fit and proper person to receive such degree (s):
- Doctor of Laws
 - Doctor of Literature (D. Litt)
 - Doctor of Letters
 - Doctor of Science (D . Sc.)
4. Honorary Degree shall be conferred only at convocation and shall be taken in person or in absentia.
5. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance.

ORDINANCE – 21

CONVOCATION FOR CONFERRING DEGREES

[Statute 29 and 43(3) of the Act]

1. ANNUAL CONVOCATION

- i. Convocation for the purpose of conferring degrees shall ordinarily be held once in a year on such date and place as may be fixed by the Vice-Chancellor with prior approval of the Chancellor.
- ii. At the beginning of each academic year, the University shall announce its academic calendar, giving the schedules for all its activities during the year;
- iii. The academic calendar of the University, in addition to the schedules for the academic activities like courses and Examinations, shall also include the date's for degree awards;
- iv. If necessary, the University may schedule Degree awards more often than once in a year and the same shall be included in its academic calendar;
- v. The Degree award date's shall be within 180 days of the date/s by which the students are expected to qualify and become eligible for them;
- vi. The Chancellor shall, if present, preside over the Convocations of the University for conferring degrees. In the absence of the Chancellor, the Vice-Chancellor may shall preside over the Convocation.

2. SPECIAL CONVOCATION

- i. A special convocation for the purpose of conferring honorary degrees may also be held at such times as may be decided by the Executive Council.

3. NOTICE

- i. Not less than four weeks' notice shall be given by the Registrar of all meetings of the Convocation.
- ii. The Registrar shall, with the notice, issued to each member of the Convocation, a programme of the procedure to be observed there at.
- iii. The candidates who have passed their examinations in the year for which the Convocation is held shall be eligible to be admitted to the Convocation:

Provided that this will not be applicable to the First Convocation at which candidate of all the preceding years shall also be admitted to their respective degrees:

Provided further that in case the Convocation could not be held in a Particular year, the Vice-Chancellor shall be competent to admit candidates to the respective degrees without waiting for formal Convocation but on payment of prescribed fees.

Such recipients of degree shall, however, sign the usual exhortation which they are required to do while Convocation ceremony is normally held:

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

35

Provided also that in case the Convocation is not held in a particular year, the Vice-Chancellor shall be competent to authorize admission of all those eligible candidates who so wish to obtain their degrees through a Convocation to the next Convocation and confer on them the respective degrees on payment of the prescribed fees:

Provided further that those who wish to obtain their degree *in absentia* when Convocation is held regularly may also do so after payment of usual fees.

4.APPLICATION

- i. A candidate for the degree must submit to the Registrar his/her application on or before the date prescribed for the purpose, for admission to the degree at the convocation in person, along with the prescribed fees.
- ii. he University shall notify a programme for Degree awards at least 30 days before the date/s so fixed, so that the candidate can apply for the same;
- iii. Such candidates as are unable to present themselves in person at Convocation shall be admitted to the degree in absentia by the Chancellor or in his/her absence by the Vice-Chancellor and their Diplomas shall be given by the Registrar on application and payment of the prescribed fees.

5.FEES

The fees for admission to the degree at the Convocation in Person shall be as prescribed from time to time.

6.HONORARY DEGREE

Honorary degree shall be conferred only at Convocation and shall be taken in person or in absentia.

7.The presentation of the persons at the Convocation on whom honorary degrees are to be conferred shall be made by the Vice-Chancellor or his nominee.

8.CONVOCATION PROCEDURE

i. Candidates at the Convocation shall wear gowns and hoods appropriate to their respective degrees as may be specified by executive orders. No candidate shall be admitted to the Convocation who is not in proper academic dress as prescribed by the University.

ii. For the award of degrees at the Convocation, candidate present shall be formally presented to the Chancellor or in his/her absence to the Vice-Chancellor for admission to their respective degrees as follows:

The Heads of respective post-graduate Departments will present the Master of Arts and Master of Science Candidates.

The name of the recipients of medals and prizes shall be read by the Registrar or the person nominated by the Vice-Chancellor.

The Registrar or the person appointed for the purpose will present the candidates for conferment of degrees in absentia.

Degree certificates shall be supplied to the candidates in a manner prescribed by the Vice- Chancellor after Convocation is over.

The Visitor, the Chancellor, the Chief Guest, the Vice-Chancellor, the Deans, the Registrar, the Finance Officer, the Controller of Examinations and the members of the University authorities shall wear their special robes prescribed by the University and further procedure for the conduct of the Convocation shall be prescribed by the executive orders.

Any Minister of the Indian Union, Minister of State Governments, Minister of the Union Territories, Speaker of Lok Sabha/State Legislatures/Union Territory Legislatures, whenever they attend the Convocation, they be provided special robes according to the their status, as may be decided by the Vice-Chancellor in individual cases, and like other authorities/officers of the University, they may attend the Convocation with their academic robes on.

9.Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance.

ORDINANCE 31

ORDINANCE RELATING TO TRAVELLING AND HALTING ALLOWANCE RULES

(Section 28(0), of the Act read with Statutes 2 (iii) and 12(xx))

1. These Rules may be called the Travelling and halting Allowance Rules of the Central University of Kerala

2. They shall apply to:

- i. Members of the authorities of the University and members of the Committee(s) appointed by the authorities or by the Vice Chancellor
 - ii. Officers and employees (teaching and non- teaching) of the University and the Standing Counsel.
 - iii. Student proceeding on approved excursions/field work and any other academic activities
3. Travelling and Halting Allowance shall be applicable to the following categories as below.

i. Members of authorities, Members of Committees appointed by the above authorities.

- a. Journey by Rail: AC II Tier each way fare for the members from the place of the residence to place of work and back.
 - b. Journey by Air: as per rules of Govt. of India.
 - c. Rate of road mileage: as per rules of Government of India. The rates of road mileage will be on the basis of prevailing rates in the Metropolitan city of a particular State and, if no rates have been fixed, then the rules of neighboring States may be adopted. However, if no such rates have been prescribed, the following rates of road mileage allowance may be fixed subject to other conditions governing grant of Road mileage Allowance and regulations of TA claim as per the order issued on the subject from time to time.
 - d. For journeys performed in own car/ taxi
- | | |
|--|-------|
| Rs.16/Km e. | For |
| journeys performed by auto rickshaw/ own scooter | |
| Rs.8/Km f. | Daily |
| Allowance: (as per Annexure) | |

Provided that the vice Chancellor may grant travelling and halting allowance at any other rate or rates in special cases,

if necessary.

- ii. Members of the authorities other than the employees of the University who reside at Headquarters shall be entitled to travelling allowance for attending meetings of authorities or Committees as prescribed under 3

(A)(2) above.

iii. Vice Chancellor

(i) Journey by Rail: Air Conditioned or accommodation of the highest class provided by the Railway.

(ii) Journey by Air: Executive / Business Class

(iii) Rate of road mileage: Actual fare as per rules of Government of India

iv. Other Employees of the University

For purposes of travelling/ halting allowance members of the staff will be categorized in to five grades as follows:

Basic pay+ NPA+ Stagnation Increment.

Rs.10000 and above and those in the pay scales of HAG+ Pay scale and

above i) Rs.7600 – 9000

ii) Rs.5400 – 8000

iii) Rs.4200 – 4800

iv) Below Rs.4200

Grade Pay (1)	Travel Entitlements(2)
Officers drawing grade pay of Rs. 10000/- and above and those in pay scale of HAG + and above	Business/ club class by Air/ AC first class by Train
Officers drawing grade pay of Rs.7600,8000, 8700, 8900 and 9000/-	Economy class by Air/AC First Class by Train

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

37

Officers drawing grade pay of Rs.5400, 6000,6600,7000/-	Economy Class by Air/AC II Tier class by train
---	--

Officers drawing grade pay of Rs.4200,4600,4800/-	AC II Tier Class by train
Officers drawing grade pay below Rs.4200	First class /Ac III Tier/AC chair car by Train

Notwithstanding anything above, the entitlement of Travel by taxi/own car/autorikshaw/ two wheeler, the prevailing GOI rates for each category shall be followed.

Note 1: 'Pay' means, pay in the revised scales of pay special pay, non-practicing allowance, personal pay and any other emoluments which may be specially classed as pay, actually drawn by the person.

Note 2: In the case of re- employed persons, 'Pay' will include the amount of original pension and pension equivalent of retirement gratuity which he has been allowed to draw in addition to pay or re-employment. If the total of pay plus pension etc. exceeds the maximum of the pay scale of the post, such excess will be ignored.

Note 3: The entitlement of Standing Counsel will be decided by the Vice-Chancellor on case to case basis.

Note 4: The entitlement of contract employees will be decided by the Vice-Chancellor on case to case basis.

Note.5 The entitlement of students proceeding on academic activities will be decided by the Vice-Chancellor on case to case basis.

4. General Condition

i. A member of the staff will be paid travelling /halting allowance for travel in connection with official work or in connection with congresses, conference or seminars when he/she is sent as a delegate by the University (and is not paid by the authorities organizing the congress etc.) or when he has to proceed on field work or accompany students on educational tour/ field work. Approval of the competent authority prescribed for the purpose shall, however, be taken before undertaking such journeys.

Note: in the case of congresses/conferences/seminars, prior approval of the Vice Chancellor shall be obtained. The Deans may sanction field work by teachers and other Research/Technical Staff of the University in respect of projects approved by the University and within the sanctioned provision.

- ii. In case of other tours on official work, Finance Officer, Controller of Examination, Deans, Registrar and Librarian may authorize, the move in the case of staff working with them.
- iii. In the case of Finance Officer, Controller of Examination, Deans and Registrar the tour programme shall be got approved by the Vice Chancellor of the University.
- iv. when a person combines tour with vacation/leave and does not return to headquarters immediately on completion of tour, he will be entitled to travelling / halting allowance for onward journey only.
- v. when a member of the vacation staff is required to come to headquarters from outside to attend, during vacation meetings of the Registrar or other statutory bodies and of Committees appointed by these bodies or meetings of examination committees etc. he will be entitled to travel grant for the journey from the place of stay outside to the place of the meeting and back but not to any halting allowance.
- vi. A person compulsorily recalled for duty before the expiry of leave sanctioned to him will be entitled to draw travel grant from the place at which the communication reaches him provided the leave is curtailed by not less than a month. If the period by which he leave is curtailed is less than a month travel grant may be allowed at the discretion of the Vice-Chancellor.

Broad Guidelines

- i. A teacher attending conference/Seminar/workshop etc. with the financial assistance under the scheme "Unassigned Grants" of University Grants Commission, rules of unassigned grants shall be followed.
- ii. In respect of teachers nominated/deputed to attend the conferences/seminars, workshop from out of the University funds other than unassigned grants, the following cases of teachers shall be considered for approval by the competent authority.
 - a. A person who is nominated or elected as President or Chairman of the Conference/meeting/session etc.
 - b. A person whose paper has been accepted for being presented at the Conference/Seminar.
 - c. The travelling allowance shall not exceed the actual traveling expenses and halting allowance but exceptional circumstances, such claim can be considered by the Vice-Chancellor.
 - d. On educational tour/fields work trips, the railway fare will be allowed at the concessional rate; where such concession is permissible under the railway regulations or by the class to which the person is entitled according to the grade.

- e. The authority competent to permit a person to proceed on tour etc. may sanction an advance to cover his traveling expenses for a period not exceeding thirty days.
- A second advance is not permissible except under special sanction of the Vice-Chancellor, until an account of the first advance has been settled.
- f. The T.A bills shall be submitted within a month of the completion of the tour. Balance out of the advance, if any, shall however be refunded immediately. Unless permitted by the Vice-Chancellor, the entitlement of a person to traveling and halting allowance is forfeited and deemed to have been relinquished if the claim is not preferred within six months from the date on which they become due.
- g. Traveling and halting allowances once drawn and admitted shall be revised in consequence of revision of TA regulations or increase in pay resultant to promotion/grant of advance increments with retrospective effect except for late authorization/drawal of increments.
- h. The Deans, Controller of Examination, Finance Officer, Registrar and Librarian will be their own Controlling Officers. They will also be Controlling Officers in the case of the staff working with them.
- iii. It is the duty of a Controlling Officer before signing or counter signing a traveling allowance bill
- To see that the halt has not been unnecessarily or unduly protracted;
 - To satisfy himself that traveling allowance for journey by Rail has been claimed for the class of accommodation actually used; and
 - To observe any other instructions which the Registrar or the Vice-Chancellor may give for his guidance. The Controlling Officer may disallow any claim, in his opinion, does not fulfill the above conditions.
- iv. The Controlling Officer may permit a person to draw the actual cost of hiring a conveyance not exceeding the scales given below in connection with a journey performed in the University's interest within a radius of 8kms from his headquarters when a staff car/University conveyance is not made available and no traveling is admissible.

Note 1: The conveyance fare reimbursed shall normally be the bus fare if the places to be visited are connected by the public conveyance. If such routes any other conveyance is hired, the hire charges may be reimbursed on the certificate of the Finance Officer, Deans and Registrar that in the interest of the University work or due to the urgency it was necessary to hire such a conveyance. If the places to be visited are not connected by public conveyance, scooter fare may be paid.

Note 2: Conveyance expenses will not be reimbursed in respect of a journey if the person concerned is granted any compensatory leave or otherwise receives any special remuneration, of the purpose of the duty which necessitated the journey. However, where the person is recalled to office from his residence the controlling officer may reimburse conveyance expenses in addition of the overtime allowance admissible to him.

Note 3: In the case of a person less than in rank of Assistant or equivalent conveyance expenses may be paid if he is required to come to office outside the ordinary hours of duty and does not receive any special remuneration/overtime allowance.

Note 4: When a person travels a class lower than that he is entitled; he shall be entitled to the reimbursement fare of the class actually used.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

39

Schedule (DA Rates)

Grade Pay(1)	Daily Allowance
Offices drawing grade pay of Rs. 10, 000/- and above and those in the grade of HAG+and above	Reimbursement for Hotel accommodation/guest house of up to Rs.5000/- per day/reimbursement of AC taxi charges of up to 50kms per day for travel within the city and reimbursement of food bills not exceeding Rs.500/ per day.

Officers drawing grade pay for Rs. 7,600 to Rs 9,000/-	Reimbursement for Hotel accommodation/guest house of up to Rs. 3,000/- per day; reimbursement of non-AC taxi charges of up to 50 km. per day for travel within the city and reimbursement of food bills not exceeding Rs. 300/- per day
Officers drawing grade pay for Rs.5,400 to 7,000/-	Reimbursement for Hotel accommodation/guest house of up to Rs. 1500/- per day reimbursement of taxi charges of up to Rs.150 per day for travel within the city and reimbursement of food bill not exceeding Rs.200/- per day
Officers drawing grade pay for Rs. 4,200 to Rs. 4,800/-	Reimbursement for Hotel accommodation/guest house of up to Rs.500/- per day; reimbursement of taxi charges of up to Rs.100 per day for travel within the city and reimbursement of food bill not exceeding Rs.150/- per day
Officers drawing grade pay below Rs.4,200	Reimbursement for Hotel accommodation/guest house of up to Rs.300/- per day; reimbursement of travel charges of up to Rs.50 per day for travel within the city and reimbursement of food bills not exceeding Rs.100/-per day.

Anything which is not contained in this ordinance may be dealt as per rules of Government of India as amended from time to time.

ORDINANCE 33

ORDINANCE RELATED TO POWERS AND FUNCTIONS OF THE DEAN, STUDENTS' WELFARE

(Section 28(1) (I) and (o) of the Act no 36 (1) of Statutes)

- 1.The Dean of students' welfare (DSW) shall look after the general welfare of the students outside the classroom which contribute to the growth and development of their personality. The DSW shall endeavor to promote understanding among the students of fuller realization of their objectives through fruitful intellectual, social, cultural and corporate life in the University.
- 2.The DSW shall assist the Vice-Chancellor in all matters affecting , students generally and shall exercise such powers and perform such other duties as assigned to the DSW by the Vice-Chancellor.
- 3.In addition to other duties, the DSW shall perform duties and functions in respect of the following matters in consultation and coordination with other relevant Officers and units of the University:
 - i. Arrangement of facilities for educational tours and excursions and participation in sports activities outside the University;
 - ii. Organization of social and cultural activities with student participation ;
 - iii. Organization of student body including Students Council in the University and their functioning;
 - iv. Student - teacher relationship;
 - v. Securing fellowships or scholarships for further studies in the country or abroad.;
 - vi. Health and medical services;
 - vii. Student counseling;
 - viii. Special arrangement to be provided , if any, to women students and differently abled students;
 - ix. Liaison between University administration and students;
 - x. Student-information services;
 - xi. Alumni association; and Parent Teachers Association
 - xii. Issue of certificates and authorized and delegated by the Vice-Chancellor.
- 4.The DSW shall maintain essential particulars of each student from the date his enrollment in the University.
- 5.The DSW will function under the control of the Vice-Chancellor and will be a member of Discipline Committee and other Committees involving students and student's matters.
- 6.The DSW shall report to the Vice-Chancellor cases of students who require special attention or whose conduct and activities are not in the best interest of the University or who are not likely to profit by their continuance in the University.

ORDINANCE 34

**ORDINANCE RELATING TO CODE OF CONDUCT OF
THE EMPLOYEES OF THE UNIVERSITY**

(Under Section 6(1) (xxi) and 43(3) of the Act)

1. The Central Civil Services (Conduct) Rules and CCS (CCA) Rules as amended from time to time, mutatis mutandis shall be applicable for all the employees of the Central University, subject to the provisions in the University Act and Statutes.
2. Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

**ORDINANCE 35
ORDINANCE RELATING TO GAMES AND SPORTS
COMMITTEE (Section 28(I) of the Act)**

1.
 - i. There shall be a Games and Sports Committee consisting of the following members namely:
 - a) Chairman, appointed by the Vice-Chancellor
 - b) Dean Students' welfare
 - c) Presidents of various Games and Sports Clubs.
 - d) One outstanding Sportsman from among the students on rolls , nominated by the chairman for a period of one year.
 - (1) Director of Physical Education, who shall be the Ex- Officio Secretary of the Games and Sports Committee.
 - ii. The Chairman of the committee shall hold office for a term of two years
2. The Committee shall:
 - i. make arrangements and supervise the games and sports of the University
 - ii. and frame Regulations in this regard;
 - iii. Frame the budget for games and sports; allocate finances to the various clubs;
 - iv. maintain the play- grounds , gymnasia, swimming pools of the University;
 - vi. hold contests, competitions , tournaments, athletic meets etc.;
 - vii. recommended to the Vice-Chancellor the names of outstanding players and sportsmen to be nominated for admission
 - viii. sportsmen to be nominated for admission
- ix. perform such other functions, as may be assigned to it by the Academic council from time to time; and
- xi. take measure to attract the sports talent available in the University.

3. The Director, P/E will operate the budget under the supervision of DSW.

4. The Committee shall hold its meetings at least once in six months under the supervision of the DSW.

5. One-third of the total members shall form the quorum for meeting of the committee.

ORDINANCE 36

ON FACULTY COUNCIL

[Sections 2(g) and 28(1)(o) and 43(3) of the Act]

Constitution

1. Every Department shall have a Faculty Council, established to facilitate transparency and democratization of decisions and, thereby, to ensure goodwill, harmony and cooperation, which are pre-requisites for academic excellence.
2. All teachers in the Department shall be members of the Faculty Council and all of them (except those on leave) shall attend meetings of the Council. However, only permanent members of the faculty shall be entitled to cast their vote on any matter.

3. The Head of the Department shall be the Chairperson of the Council and shall preside over all meetings of the Council. In his absence, the senior-most teacher of the Department, among those present, shall officiate as the Chairperson.
4. The Faculty Council may nominate a teacher of the Department as the Secretary of the Council.

Powers and functions

5. The Faculty Council shall have powers to :
 - i. decide on administrative policies and academic activities of the Department;
 - ii. allocate academic/teaching work, infrastructural facilities, common responsibilities etc. through healthy consensus;
 - iii. implement the Choice Based Credit System as prescribed by the regulations in the matter;
 - iv. decide on methods for continuous and end-semester evaluations ;
 - v. finalize grades after end-semester examinations;
 - vi. prepare syllabi, curricula of new or on-going academic programmes of the Department for submission to higher authorities in discussion with outside experts if required.
 - vii. to prepare academic proposals of the Department for submission to higher authorities;
 - viii. prepare panels of experts for conduct of examinations for approval of Vice-Chancellor;
 - ix. recommend names of experts for nomination to Board of Studies;
 - x. review the conduct of teaching programmes of the Department once every semester;
 - xi. consider and recommend to the competent authorities, the proposals for the conduct of study tour, field work, conferences, seminars, workshops, etc., subject to budgetary provisions;
 - xii. approve Departmental budget proposals and other developmental proposals;
 - xiii. re-appropriate funds within the sanctioned budgets as per financial rules;
 - xiv. make recommendations on all purchase proposals above Rs.15,000/- or such limit as prescribed, from time to time, by appropriate authorities;
 - xv. examine matters relating to student discipline, ragging, examination malpractice etc. brought to its notice;
 - xvi. refer to the Dean of School any matter of dispute/disagreement between the Head of the Department and the Faculty Council;
 - xvii. consider and finalize reports to be submitted to IQAC;
 - xviii. perform any function assigned to it by the Academic Council, the Executive Council, the Vice-Chancellor or the Dean; and
 - xix. perform any other function deemed necessary for the furtherance of academic pursuits of the Department.

Meetings

6. The Faculty Council shall, ordinarily, meet at least once every month.
7. The Chairperson shall decide on the agenda and cause to issue notices, specifying the venue/time of meeting and items on the agenda, to all teachers five clear working days in advance of regular meetings and three clear working days in advance of Special meetings.
8. Prior notice with agenda shall be served to the members' at least one day before the meeting. However in emergency the chairperson can call for meeting without prior notice.
9. The quorum for any meeting of the Council shall be two (2) or one-third of the number of faculty (excluding those on long leave) in the Department, whichever is higher.
10. The Secretary shall prepare the minutes of the Council in consultation with the Chairperson.
11. All members present at a meeting of the Council shall affix their signatures on the minutes.

12.The Secretary shall make available a copy of the signed minutes to all members of the Council (irrespective of whether or not he was present at the meeting) within five working days of the meeting.

Special Meeting

13.At any time, one-third of the permanent members of the faculty (excluding those on long leave) in a Department may request for a Special meeting of the Council on a specific item of agenda.

14. Such requests shall be submitted to the Chairperson, who shall decide on the date/time of the meeting and direct the Secretary to issue appropriate notices.

15.No matter other than that specified in the agenda shall be considered at such meetings.

16.Notwithstanding anything contained in this Ordinance, the Vice-Chancellor shall have the authority to take suitable action to remove anomalies or difficulties, if any, faced in the implementation of the provisions of this Ordinance with the approval of the appropriate Authorities of the University.

17.Saving Clause and Commencement.- This Ordinance will be deemed to have been in force with effect from 15th day of January 2009 (Date of commencement of the Central Universities Act 2009) and all the acts done on the subjects of this Ordinance will be deemed to have done in terms of this Ordinance

Dr. A. RADHAKRISHNAN Nair,
Registrar
[ADVT.-
III/4/Exty./29/17]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-
110064 and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

SARVESH KUMAR Digitally signed by
SARVESH
KUMAR SRIVASTAVA
SRIVASTAVA Date: 2017.04.27 20:31:01
+05'30'